

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे, इंदौर में भाजपा ने निकाली सेवा ज्योति संकल्प यात्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुधवार को इंदौर में सेवा ज्योति संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। विजय नगर स्थित आईडीए ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के जनसेवा कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शहर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सेवा ज्योति संकल्प यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्पमित्र भार्गव, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, विधायक रमेश मेंदोला, गोल्ड शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हाडिया, मधु वर्मा, उषा ठाकुर, वरिष्ठ नेता कृष्णमुरारी मोधे, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता और आकाश विजयवर्गीय सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद आज उन्हें हेड ऑफ गवर्नमेंट के तौर पर निरंतर सेवा करते हुए 25 वर्ष हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जन्ता जनार्दन के निरंतर आशीर्वाद का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने देश की जनता के प्रति आभार

जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण के संबंध में संशोधित प्रावधान हुए लागू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रेशन (आरबीडी) अधिनियम 1969 की धारा 13 में जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) अधिनियम 2026 (2026 का संख्या 12) के माध्यम से संशोधन किया गया है। संशोधन संबंधी प्रावधान 6 अगस्त 2026 के भारत के राजपत्र (गैजट ऑफ इंडिया) में प्रकाशित किया गया था । संशोधित अधिनियम के प्रावधान 1 अक्टूबर, 2026 से लागू हो गये हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण) श्री शिवम वर्मा ने जिला स्तर पर आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश में सभी रजिस्ट्रार (जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण) को 7दिशा-निर्देश दिए गए है और निर्देशित किया गया है कि प्रावधान के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम की धारा 13 (3) में संशोधन विालंबित पंजीयन के लिए जारी आदेश के अनुसार किसी ऐसे जन्म या मृत्यु की सूचना जो घटना के एक वर्ष बाद लेकिन दो वर्ष के भीतर रजिस्ट्रार को दी जाती है, उसका रजिस्ट्रेशन केवल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट या सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट या डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत एसीज्यूटिव मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही किया जाएगा। किसी ऐसे जन्म या मृत्यु की सूचना, जो घटना के दो वर्ष बाद रजिस्ट्रार को विलंब से दी जाती है, उसका रजिस्ट्रेशन केवल फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही किया जाएगा। संशोधित अधिनियम के प्रावधान 1 अक्टूबर 2026 से लागू हो गए हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण) श्री शिवम वर्मा ने जिला स्तर एवं न्यायाधीश को पत्र लिखकर अनुरोध किया।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन पर सात दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का समापन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर में इकोक्लब एवं जूलाँजी विभाग द्वारा आयोजित ँवन्यजीव संरक्षण और प्रबंधनः विषय पर सात दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का समापन 7 अक्टूबर 2026 को हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरगी के मार्गदर्शन में इकोक्लब प्रभारी डॉ. पूजा जैन



व्यक्त करते हुए कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, उसमें सबसे बड़ा योगदान जनता का है। उनके लिए जनता जनार्दन ईश्वर का ही स्वरूप है और करोड़ों लोगों का विश्वास उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 वर्षों का जनविश्वास और अनुभव बहुत बड़ी पूंजी है, लेकिन यह पूंजी केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरे देश की है। उन्होंने कहा कि छत्र जीवन से ही सीखना उनके जीवन का हिस्सा रहा है और आज भी वे स्वयं को एक शिष्य मानते हैं। उनका प्रयास हर दिन कुछ नया सीखने का रहता है, क्योंकि जितना अधिक सीखेंगे, उतना ही देश के लिए काम करने का सामर्थ्य बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि वह महत्वाकांक्षी के लिए नहीं, बल्कि मिशन के लिए जीने वाले व्यक्ति हैं। उनके जीवन का एक ही ध्येय रहा है—देश के लिए निस्वार्थ कर्मा। उन्होंने कहा, मेरे लिए कर्म ही आखिरी है, कर्म ही मेरा धर्म है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर सफलता ने उनके दायित्व बोध को बढ़ाया, हर संकट ने धैर्य की परीक्षा ली और हर विरोध ने लोकतंत्र की शक्ति को समझाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रयान मिशन ने असफलता से उठकर आगे बढ़ना सिखाया,

जबकि कोरोना महामारी ने राष्ट्र की सामूहिक चेतना का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि देश के गांवों और गरीबों ने यह सिखाया कि साधन और संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन सपने हमेशा बड़े होने चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि यह दिन केवल यादों को ताजा करने का नहीं, बल्कि संकल्पों को नई ऊर्जा देने का दिन है। उन्होंने कहा कि भारत को नई बुलाईयों पर पहुंचाने के लिए देशवासियों के भीतर यह विश्वास होना चाहिए कि हम करके रहेंगे। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत, ओलंपिक आयोजन, अंतरिक्ष के क्षेत्र में नई उपलब्धियां और भारत को ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग हब बनाने जैसे लक्ष्यों को पूरा करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जैसी पुण्यभूमि में जन्म लेना और इसकी सेवा का अवसर मिलना अपने आप में अमूल्य है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय उनके पास सरकार चलाने और प्रशासनिक व्यवस्था का अनुभव नहीं था, लेकिन जनता की शक्ति पर विश्वास था। जनता को साथ लेकर नीतियां बनाई गईं और उन्हें लागू किया गया। यही विश्वास गुजरात के विकास का आधार बना।

उन्होंने कहा कि जब वे प्रधान सेवक के रूप में दिल्ली आए, तब देश के सामने अनेक चुनौतियां थीं और अर्थव्यवस्था को लेकर निराशा का माहौल था। लेकिन लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास किया गया

सोयाबीन कटाई के बाद नरवाई नहीं जलायें किसान, पर्यावरण और मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बचायें

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में सोयाबीन फसल की कटाई का कार्य प्रारंभ हो गया है। सोयाबीन की कटाई के पश्चात खेतों में बचे फसल अवशेष (नरवाई) को जलाने की प्रवृत्ति से पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ मिट्टी की संरचना एवं उर्वरा शक्ति भी प्रभावित होती है। नरवाई जलाना खेती के लिए नुकसानदायक होने के साथ ही पर्यावरण एवं जन-धन की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। जिला प्रशासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील की गई है।

फसल अवशेष प्रबंधन के संबंध में जिले के समस्त विकासखण्डों की प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों, राजस्व विभाग के पटवारी एवं पंचायत विभाग के पंचायत सचिव के माध्यम से किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान तथा इसके उचित प्रबंधन के उपायों की जानकारी दी जाएगी।

इंदौर संभाग में पीपीआर टीकाकरण अभियान का व्यापक संचालन

भेड़-बकरियों को निःशुल्क लगाया जा रहा पीपीआर का टीका, अब तक 8.42 लाख से अधिक पशुओं का टीकाकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत पीपीआर रोग के नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिए इंदौर संभाग में व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 4 माह एवं उससे अधिक आयु के भेड़ एवं बकरियों का निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है।

अभियान के दौरान पशुपालकों को टीकाकरण के साथ-साथ पशुओं की देखभाल एवं टीकाकरण संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है। मध्यप्रदेश में इस कार्यक्रम का प्रथम चरण वर्ष 2020 से प्रारंभ किया गया था तथा वर्तमान में पीपीआर टीकाकरण अभियान का तृतीय चरण संचालित किया जा रहा है।



श्रृंखला के समापन अवसर पर डिजिटल

पीपीआर भेड़ एवं बकरियों में होने वाला अत्यंत संक्रामक एवं गंभीर विषाणुजनित रोग है, जिसे सामान्यतः भेड़ एवं बकरी प्लेग के नाम से भी जाना जाता है। संक्रमित पशुओं में यह बीमारी गंभीर बीमारी एवं मृत्यु का कारण बन सकती है। रोग की रोकथाम के लिए समय पर टीकाकरण अत्यंत प्रभावी उपाय है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक पीपीआर रोग के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में इंदौर संभाग के इंदौर, धार, अलीराजपुर, बड़वानी एवं बुरहानपुर जिलों में भेड़ एवं बकरियों का व्यापक स्तर पर निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। पशुपालन विभाग की टीकाकरण टीमें गांव-गांव एवं पशुपालकों के पशु समूहों तक पहुंचकर टीकाकरण कर रही हैं। संयुक्त संचालक, पशुपालन इंदौर संभाग डॉ. मनीष इंगोले द्वारा

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्राओं ने वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विषयों पर रचनात्मक डिजिटल पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. सुभाष सोनी एवं डॉ. अनिता मुकाती रहे। प्रतियोगिता में एम. साक्षी अहिरवार ने प्रथम, गौरी लोदवाल ने द्वितीय तथा करिश्मा बागेश्वरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता एवं प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र के साथ इको-फ्रेंडली पेन प्रदान कर

और आज तस्वीर बदल चुकी है। प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया, सौर ऊर्जा, कृषि और देश की बढ़ती तकनीकी एवं औद्योगिक क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत आज हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आराम करने का नहीं, बल्कि सोच के साथ आगे बढ़ने का है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि देश के लिए स्वयं को खपा देने का समय है। भारत के युवाओं के सामने इतिहास का एक बहुत बड़ा अवसर है और इसे गंवाना नहीं चाहिए। सभी देशवासियों को मिलकर 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों, युवाओं, किसानों और नारी शक्ति के लिए अनेक योजनाओं के माध्यम से परिवर्तनकारी बदलाव आए हैं। कोविड संकट के दौरान टीकाकरण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास, विरासत, सुरक्षा और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई दिशा मिली है और विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को विकसित भारत बनाने का संकल्प दिलाया। इसके बाद मंच पर नेताओं ने सेवा ज्योति मशाल प्रज्वलित की। विजय नगर चौराहे स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा कार्यों पर आधारित स्थायी विशाल सेवा ज्योति मशाल प्रज्वलित की गई। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इसके बाद सेवा ज्योति संकल्प के रथों

को शहर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा और सुशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में सेवा ज्योति संकल्प यात्रा निकाली।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का उत्साह भी देखने को मिला। सुबह से ही शहर के प्रमुख चौराहों पर भाजपा कार्यकर्ता जथों के रूप में कार्यक्रम स्थल की ओर जाते दिखाई दिए। कई कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचे, जबकि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बाइक पर सवार होकर विजय नगर पहुंचे। कार्यकर्ताओं के हाथों में भाजपा के झंडे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने वाली तख्तियां नजर आईं।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक दो के कार्यकर्ता विधायक रमेश मेंदोला के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उस समय तक पंडाल पूरी तरह भर चुका था। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के आग्रह पर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक दो के कार्यकर्ताओं ने अनुशासन का परिचय देते हुए मंच के सामने खाली स्थान पर बैठकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के कारण पंडाल भी छोटा पड़ गया और कई कार्यकर्ता बाहर खड़े होकर प्रधानमंत्री का संबोधन सुनते रहे।

पूर्वी क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के बीच मोदी-मोदी और जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे। सुबह से ही पूरा शहर भाजपा के झंडों और कार्यकर्ताओं की भीड़ से भाजपामय नजर आया। सेवा ज्योति संकल्प यात्रा के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय खजरना, इंदौर में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना शर्मा के मार्गदर्शन में रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेदांता फाउंडेशन, इंदौर की विशेषज्ञ टीम द्वारा लगभग 98 छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों की ब्लड प्रेशर, वजन, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन एवं ईसीजी सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचें की गईं। जांच के उपरांत आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मेदांता फाउंडेशन, इंदौर के सीएसआर मैनेजर श्री अनिल शर्मा एवं डायटिशियन डॉ. कन्हैया चौरसिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री अनिल शर्मा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के महत्व की जानकारी दी। वहीं डॉ. कन्हैया चौरसिया ने संतुलित एवं पौष्टिक आहार, उचित डाइट लेने की विधि तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारी प्रदान की।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना शर्मा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उचित उपचार एवं आवश्यक सावधानियां अपनाई जा सकती हैं। कार्यक्रम का गति निमित्त स्वास्थ्य परीक्षण कराने के महत्व की जानकारी दी। वहीं डॉ. कन्हैया चौरसिया ने संतुलित एवं पौष्टिक आहार, उचित डाइट लेने की विधि तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारी प्रदान की।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना शर्मा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उचित उपचार एवं आवश्यक सावधानियां अपनाई जा सकती हैं। कार्यक्रम का गति निमित्त स्वास्थ्य परीक्षण कराने के महत्व की जानकारी दी। वहीं डॉ. कन्हैया चौरसिया ने संतुलित एवं पौष्टिक आहार, उचित डाइट लेने की विधि तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारी प्रदान की।

इंदौर में जिला स्तर पर बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान की कार्यशाला आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के निर्देशानुसार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज इंदौर में डिस्ट्रिक्ट बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान (District Business Reform Action Plan) संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन एमपीआईडीसी (MPIDC), भोपाल मुख्यालय के माध्यम से किया गया। कार्यशाला कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

कार्यशाला में बताया गया कि भारत सरकार के DPIIT द्वारा निर्धारित बिजनेस रिफॉर्मस को मध्यप्रदेश में प्रभावी रूप से लागू किया जाना है। इसके अंतर्गत जिले में 28 विभागों से संबंधित कुल 222 रिफॉर्मस का क्रियान्वयन किया जाना है। एमपीआईडीसी भोपाल के श्री पुनीत जैन ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में व्यवसाय शुरू करने और उसका विस्तार करने वाले उद्यमियों को विभिन्न शासकीय सेवाएं को निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराना है। व्यवसाय शुरू करने के लिए उद्यमियों को विभिन्न विभागों से सेवाएं, अनुमतियां एवं एनओसी प्राप्त करनी होती हैं। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन सेवाओं के लिए किए गए आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण हो तथा आवश्यक निरीक्षण भी निर्धारित समय पर पूर्ण किए जाएं।

कार्यशाला में सभी संबंधित सेवाओं को अधिक से अधिक ऑनलाइन करने, समयबद्ध निरीक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा उद्यमियों को आवश्यक हैड हौल्टिंग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को इस दिशा में प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में बताया गया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के इन सुधारों का व्यापक उद्देश्य मध्यप्रदेश में व्यवसाय एवं निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना, अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करना, नए उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करना तथा रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इससे प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। कार्यशाला में एमपीआईडीसी के श्री अतुल उनीवाल ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। कार्यशाला में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के महाप्रबंधक श्री स्वीनलिट गर्ग, सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, उपसंचालक कृषि श्री संदीप यादव सहित शिक्षा, परिवहन, महिला एवं बाल विकास, उद्यानिकी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम, 220 विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला इंदौर द्वारा सेवा मेरा योगदान अभियान के अंतर्गत मद्य निषेध सप्ताह (02 से 08 अक्टूबर) के तहत ऑक्सफोर्ड कॉलेज में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नार्कोटिक्स टीआई श्री राकेश चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नार्कोटिक्स एसआई श्री अजय शर्मा एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मास्टर ट्रेनर तथा नागादा सोसेल फाउंडेशन के डायरेक्टर श्री रजत नागादा ने



जानकारी प्राप्त की और नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थित शिक्षणगण ने सामूहिक रूप से नशामुक्ति की शपथ ली तथा स्वयं नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देने का संकल्प लिया।

इंदौर में बंटी नागर के खुदकुशी केस में चैटिंग, फुटेज और कॉल डिटेल से खुल रहीं दबाव की परतें

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रियल एस्टेट कराबारी संदीप उर्फ बंटी नागर आत्महत्या केस में मंगलवार को भी बयान दर्ज किए गए। पलासिया पुलिस ने ड्राइवर और कर्मचारी को थाने बुलाया। घर से मिले सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और चैटिंग सामने रखकर उनसे पूछताछ की गई। इस दौरान भी ब्रोकर, कॉलोनाइजर और फायनेंसर



के नाम सामने आए।

56 वर्षीय बंटी के कार्यालय में स्तुति, भवानी सहित बालकिसन, मनीष, उमेश, नितेश और गोपाल काम करते थे। पलासिया पुलिस ने

मंगलवार को कर्मचारियों के पुनः बयान लिए। कर्मचारियों ने नियमित रूप से कार्यालय आने-जाने वालों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि बंटी दबाव के कारण कार्यालय कम आने लगे थे।

वसूली के लिए कुछ लोग घर तक जाने लगे थे। उनकी अनुपस्थिति में ये लोग घर में ही बैठे रहते थे। इसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से भी हुई है।

आवासीय प्लॉट की रजिस्ट्री कराकर बना दीं दुकानें, कॉलोनाइजर समेत तीन पर धोखाधड़ी का केस

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ में आवासीय कॉलोनी के नाम पर भूखंडों की रजिस्ट्री कराकर मौके पर व्यावसायिक दुकानों का निर्माण कर उन्हें बेचने के मामले में पुलिस ने कॉलोनाइजर सहित तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। मामला मां भगवती टाउनशिप कॉलोनी से जुड़ा है। एसडीएम राजस्व उपखंड सीतामऊ के निर्देश एवं जांच रिपोर्ट के आधार पर नाहरगढ़ थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 415 एवं 420 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। जानकारी के अनुसार नाहरगढ़ निवासी कोटवार राजेंद्र पिता बाबूलाल बलाई ने थाना पहुंचकर एसडीएम राजस्व उपखंड सीतामऊ के पत्र थाने पर प्रस्तुत किए। इन दस्तावेजों के अवलोकन के बाद पुलिस ने अनूप सिंह भदौरिया निवासी मंदसौर, प्रवीण कुमार पिता भारत सिंह मंडलोई तथा अर्पिता पिता प्रवीण कुमार मंडलोई निवासी नाहरगढ़ के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

सियासी घमासान: नीमच नगर पालिका में सरकारी तंत्र की उड़ी धज्जियां, आधी रात को रंगे हाथों पकड़ा प्रशासनिक अमला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच नगर पालिका में सरकारी संस्थाधनों के दुरुपयोग और नियमों के ताक पर रखने का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने शहर के सियासी पारे को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। मंगलवार की काली रात प्रशासनिक निष्पक्षता पर एक बड़ा काला धब्बा लगा गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका के एक शासकीय वाहन को शहर के बिजली के खंभों पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक झंडे और बैनर टांगते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। मामला सिर्फ राजनीतिक उठापटक तक सीमित नहीं रहा, बल्कि तब बेहद संवेदनशील और शर्मनाक हो गया जब उसी सरकारी गाड़ी के भीतर देश की आन-बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा बेहद अपमानजनक स्थिति में कबाड़ की तरह टंसा हुआ मिला। इस पूरे घटनाक्रम ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी



(सीएमओ) दुर्गा बामनिया की जवाबदेही और प्रशासनिक निष्पक्षता को गंभीर कटघरे में खड़ा कर दिया है। आधी रात का हाई-वोल्टेज ड्रामा बैकफुट पर आया अमला-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शहर से अवैध होर्डिंग्स और राजनीतिक प्रचार सामग्री हटाने की जिम्मेदारी जिस नगर पालिका की है, उसी का अमला आधी रात को सरकारी गाड़ी और सरकारी ईंधन का इस्तेमाल कर भाजपा के झंडे लगाने में मसरूफ था। भनक लगते ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा शुरू

कर दिया। कांग्रेस ने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों से शासकीय वाहन को तुरंत जन्म करने और आचार संहिता व विधिक कौन? टैक्सपेयर्स के पैसे पर अयाशी क्यों? नीमच की जनता जो खुन-पसीने की कमाई टैक्स के रूप में देती है, उस पैसे से खरीदे गए डीजल का उपयोग किसी राजनीतिक दल के निजी प्रचार के लिए कैसे किया जा सकता है? तिरंगे के अपमान का जिम्मेदार कौन? देश के गौरव राष्ट्रध्वज का शासकीय वाहन में इस तरह अनादर होना घोर प्रशासनिक लापरवाही है। जिम्मेदार वाहन प्रभारी पर अब तक निलंबन की कार्रवाई क्यों नहीं हुई? तिरंगे का अनादर राष्ट्रध्वज अपमान अधिनियम के तहत केस की मांग गाड़ी के भीतर राष्ट्रीय ध्वज के अस्त-व्यस्त पड़े होने पर कांग्रेस ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। कांग्रेस नेताओं ने इसे सीधे तौर पर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम का खुला उल्लंघन बताते हुए कहा कि यह देश का अपमान है। पार्टी ने मांग की है कि इसे सख्त अपराध के लिए जिम्मेदार नोडल अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल पुलिस केस दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाए।

सहमित थी? टैक्सपेयर्स के पैसे पर अयाशी क्यों? नीमच की जनता जो खुन-पसीने की कमाई टैक्स के रूप में देती है, उस पैसे से खरीदे गए डीजल का उपयोग किसी राजनीतिक दल के निजी प्रचार के लिए कैसे किया जा सकता है? तिरंगे के अपमान का जिम्मेदार कौन? देश के गौरव राष्ट्रध्वज का शासकीय वाहन में इस तरह अनादर होना घोर प्रशासनिक लापरवाही है। जिम्मेदार वाहन प्रभारी पर अब तक निलंबन की कार्रवाई क्यों नहीं हुई? तिरंगे का अनादर राष्ट्रध्वज अपमान अधिनियम के तहत केस की मांग गाड़ी के भीतर राष्ट्रीय ध्वज के अस्त-व्यस्त पड़े होने पर कांग्रेस ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। कांग्रेस नेताओं ने इसे सीधे तौर पर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम का खुला उल्लंघन बताते हुए कहा कि यह देश का अपमान है। पार्टी ने मांग की है कि इसे सख्त अपराध के लिए जिम्मेदार नोडल अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल पुलिस केस दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाए।

25 साल की जनसेवा देश के चरणों में समर्पित, नीमच में गूंजा पीएम मोदी का मंत्र— वी विल डू इट

भावुक क्षण- पीएम बोले— मैं आज जो कुछ भी हूँ, देश की जनता की बदौलत हूँ, संविधान को शीश झुकाकर किया नमन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी की देशव्यापी सेवा ज्योति यात्रा के तहत बुधवार को नीमच का टाउन हॉल एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना। अवसर था विकसित भारत संकल्प सभा का, जहाँ जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन गूंजा, पूरा सभागार भारत माता के जयकारों और जबरदस्त उत्साह से सराबोर हो उठा। सरकारी प्रमुख के रूप में अपने गौरवशाली 25 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने इस यात्रा का पूरा श्रेय देशवासियों को दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए पीएम ने अत्यंत भावुक शब्दों में कहा, आज मैं जो कुछ भी हूँ, उसमें देश के एक-एक नागरिक का आशीर्वाद शामिल है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने देश के पवित्र संविधान को शीश झुकाकर नमन किया। उन्होंने देश के सामने आत्मनिर्भर भारत, अंतरिक्ष विज्ञान की नई ऊंचाइयों और आगामी ओलंपिक की मेजबानी जैसे बड़े लक्ष्य रखते हुए देशवासियों को वी विल डू



इट (हम यह करके दिखाएंगे) का मूल मंत्र दिया। पीएम ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूंकते हुए कहा कि देश के लिए केवल पद पर रहना जरूरी नहीं, बल्कि हर पल देश के लिए जीने का जज्बा होना चाहिए। क्या था आयोजन पीएम मोदी के बेदाग नेतृत्व के 25 वर्ष (मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक) पूरे होने पर विकसित भारत संकल्प

सभा। नीमच का संकल्प- सांसद सुधीर गुप्ता ने उपस्थित जनसैलाब को वर्ष 2047 तक भारत को परम वैभव पर ले जाने की शपथ दिलाई। नितिन नवीन का संदेश- भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लाइव जुड़कर कार्यकर्ताओं को सुशासन के मार्ग पर चलने

का आह्वान किया। गवाह बना नीमच- जिले के तीनों विधायक, प्रशासनिक अमला और हजारों गणमान्य नागरिक एक मंच पर रहे मौजूद। सांसद सुधीर गुप्ता ने दिलाई शपथ, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भरा जोश - प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी उद्धोधन के तुरंत बाद सांसद सुधीर गुप्ता ने सभागार में मौजूद अपार जनसमूह को हाथ आगे बढ़ाकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का दृढ़ संकल्प दिलाया। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भी लाइव संबोधन सुना गया। उन्होंने नीमच के कार्यकर्ताओं की ऊर्जा की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता सुशासन, गरीब कल्याण और सेवा को अपने जीवन का ध्येय बनाए। एक मंच पर दिखा जिले का शीर्ष राजनीतिक और प्रशासनिक अमला- नीमच के इतिहास में यह पहला अवसर था जब टाउन हॉल के मंच और दीर्घा में जिले का पूरा नेतृत्व एक साथ नजर आया। कार्यक्रम में जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा,

नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक माधव मारू, भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल, जिला प्रभारी सुभाष पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान और नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा प्रमुख रूप से मंचासीन रहे। वहीं, सुदृढ़ व्यवस्था संचालने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश व्यास, जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव और नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया सहित पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। भविष्य की दिशा का अटूट संकल्प- 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई सेवा यात्रा से लेकर 2047 के विकसित भारत के विजुन तक- नीमच की इस सभा ने साफ कर दिया कि भाजपा का आगामी रोडमैप पूरी तरह गरीब कल्याण और सुशासन पर केंद्रित है। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्रबुद्ध नागरिक और मातृशक्ति बर्नी, जिन्होंने देश सेवा के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लिया।

आर-पार की लड़ाई: दंडात्मक कार्रवाइयों के विरोध में पटवारियों ने खोला मोर्चा, आज से ऑनलाइन काम ठप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की दमनकारी नीतियों और स्वामित्व अधिकार अविरोध निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना की व्यावहारिक विफलियों के खिलाफ मध्य प्रदेश पटवारी संघ ने आर-पार की लड़ाई का संकेतक कर दिया है। सोमवार को पटवारी संघ के नीमच जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह चुंडावत के नेतृत्व में जिले भर के आक्रोशित पटवारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम एक तीखा ज्ञापन सौंपा। प्रांतीय संगठन के निर्देश पर पटवारियों ने आज से जिले भर में समस्त ऑनलाइन राजस्व कार्यों का पूर्ण बहिष्कार कर दिया है। आंदोलन के पहले ही दिन पटवारियों ने सभी शासकीय क्लाट्सकप रूप से सामूहिक रूप से एक्जिट (बाहर) होकर प्रशासन को अपनी एकजुटता का अहसास कर दिया। कलेक्टर परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान अपना कड़ा पक्ष रखते हुए जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह चुंडावत



को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। भू-राजस्व संहिता में पटवारियों को इस प्रकार के दस्तावेज निष्पादित करने का कोई वैधानिक अधिकार ही नहीं है, फिर भी प्रशासन पटवारियों को निषादक बनाकर उनकी व्यक्तिगत, कानूनी और प्रशासनिक जवाबदेही तय कर रहा है। चुंडावत ने दो टुक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि नीमच सहित पूरे प्रदेश में हमारे साथियों पर की गई निलंबन और सेवा समाप्ति की एकतरफा कार्रवाइयों पूरी तरह अन्यायपूर्ण हैं और जब तक यह तानाशाहीपूर्ण आदेश निरस्त नहीं होते, तब तक हमारा ऑनलाइन कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। यह लड़ाई पटवारियों के सम्मान और वजूद की है, जिससे हम पीछे नहीं हटेंगे।

कन्फर्म टिकट के बावजूद एक ही सीट दो यात्रियों को आवंटित, ट्वीट के बाद रेलवे ने सुधारी व्यवस्था

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे की आरक्षण व्यवस्था में गड़बड़ी का खामियाख़ा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला बुधवार को सामने आया, जब पिपलियामंडी निवासी जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा ने परिजनों के साथ हरिद्वार, बदनाथ, रघुनगर सहित अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए कोटा से हरिद्वार जाने वाली नंदादेवी एक्सप्रेस में यात्रा की। यात्रा के लिए शर्मा ने 14 सितंबर को थर्ड एसी में पांच टिकट बुक करवाए थे, जो कन्फर्म हो गए थे। इसके बावजूद उनका चार कन्फर्म सीटें दूसरे यात्रियों को भी आवंटित कर दी गईं। शर्मा के अनुसार उनके पीएनआर नंबर 8453669731 में बी-8 कोच की सीट नंबर 58, 59,

61 और 62 कन्फर्म थीं। यात्रा के दौरान पता चला कि इन्हीं सीटों को अन्य यात्रियों को भी आवंटित किया गया है। एक ही सीट दो यात्रियों को आवंटित होने से खासकर परिवार के साथ यात्रा कर रहे चार वरिष्ठ नागरिकों के सामने परेशानी खड़ी हो गई। रेल मंत्री और डीआरएम को किया ट्वीट- सीटों के डबल अलॉटमेंट की जानकारी सामने आने के बाद अनिल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और डीआरएम कोटा को मामले की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि पीएनआर में कन्फर्म बी-8 कोच की चार सीटें डबल अलॉट हो गई हैं और चार वरिष्ठ नागरिक यात्रा कर रहे हैं, ऐसे में वे किस प्रकार यात्रा करेंगे। मामले पर डीआरएम कोटा

के आधिकारिक एक्स हैंडल से भी संज्ञान लेते हुए आईआरसीटीसी को समस्या देखने के निर्देश दिए गए। इसके बाद आईआरसीटीसी के माध्यम से सीट संबंधी समस्या का समाधान किया गया। रेलवे की ओर से तत्काल कार्रवाई के बाद शर्मा और उनके परिजनों की यात्रा सुगम हो सकी। शर्मा का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं होता तो यात्रा के दौरान परिवार को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। खासकर चार वरिष्ठ नागरिकों के साथ एक ही सीट के दो यात्रियों को आवंटित होने की स्थिति गंभीर असुविधा का कारण बन सकती थी। मामले ने रेलवे की आरक्षण व्यवस्था में तकनीकी गड़बड़ी को लेकर सवाल खड़े किए हैं।



तेवर अपनाए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर आम जनता और विशेषकर बच्चों के साथ उनका आत्मीय व्यवहार लोगों का दिल जीत रहा है। बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ घुल-मिल जाना, उनके मन से पुलिस का डर दूर करना और उन्हें सुरक्षा का अहसास दिलाना अब उनकी पहचान बन चुका है। क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों का कहना है कि श्री रघुवंशी के इस व्यवहार से बच्चों में पुलिस के प्रति एक मित्रवत भाव जागृत हुआ है। सामुदायिक पुलिसिंग की अनूठी मिसाल- इस संबंध में थाना प्रभारी शिव रघुवंशी का कहना है कि पुलिस का काम केवल अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि समाज में

सुरक्षा और भरोसे का वातावरण निर्मित करना भी है। उन्होंने कहा, "असली पुलिसिंग वही है जो जनता का दिल जीत सके। बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, यदि बचपन में ही उनके मन से पुलिस का डर निकल जाए और वे खाकी को अपना मददगार समझने लगे, तो वे आगे चलकर एक जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। सोशल मीडिया से लेकर गलियारों तक सराहना- थाना प्रभारी के इस बाल-प्रेम और खाकी के मानवीय चेहरे की गूंज अब सोशल मीडिया से लेकर पुलिस महकमे के गलियारों तक सुनाई दे रही है। नीमच पुलिस की इस संवेदनशील पहल को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। लोगों का कहना है कि जब खाकी वर्दी में इस तरह की संवेदनशील और अपनापन देखने को मिलता है, तो कानून व्यवस्था के प्रति समाज का विश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इम्पेक्टर शिव रघुवंशी का यह प्रयास आज के दौर में सामुदायिक पुलिसिंग की एक बेहतरीन और अनुकरणीय मिसाल है।

अग्रवाल समाज पूरे विश्व में अपने कर्म कौशल के कारण अग्रणी है : डॉ. देवेन्द्र शास्त्री

अग्रवाल समाज देशी पंचायत द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती पर छह दिवसीय सांस्कृतिक समारोह का खुशनुमा माहौल में शुभारंभ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्रवाल समाज देशी पंचायत द्वारा पितृ पुरुष प्रातः स्मरणीय महाराजा अग्रसेनजी की जयंती पर नरसिंहपुरा स्थित अग्रसेन मांगलिक भवन में आयोजित छह दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ भागवताचार्य डॉ. देवेन्द्र शास्त्री के सानिध्य में समाज के पूर्व अध्यक्षगण सर्व राजेंद्र अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल राजमल गर्ग, नरेंद्र अग्रवाल, आशीष गुप्ता, समाजसेवी हरीश गंग कंडिया एवं सुनील मित्तल ने महाराजा अग्रसेनजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. देवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि अग्रवाल समाज आज जिस तरह से पूरे विश्व में अग्रणी है वह अपने कर्म कौशल के कारण है। समतन की धर्म ध्वजा को पोषित करने में भी अग्रवाल समाज हमेशा से अग्रणी रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की पीढ़ी के महाराजा अग्रसेन जी वंशज थे और उन्होंने समाजवाद की भावना के साथ पूरे देश दुनिया को एक संदेश दिया था और उस संदेश का आज पालन सिर्फ अग्रवाल समाज ही नहीं देश का प्रत्येक समाज कर रहा है। डॉ शास्त्री ने कहा कि हम अग्रवाल समाज के वंशज



हैं यह भावना सब अग्र बंधुओं में होना चाहिए , किसी भी समाज का आदर्श स्वरूप सेवा और अहंकार मुक्त होता है यह संस्कार अग्रवाल समाज में देखने को मिलते हैं। आपने कहा कि युवा पीढ़ी को पूर्वजों द्वारा बताए गए सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों ने कहा कि पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन जी का जीवन हमें सामाजिक रूप से जीने की राह बताता है। महाराजा अग्रसेन जी सिर्फ अग्रवाल समाज ही नहीं वरन संपूर्ण राष्ट्र के हित चिंतक थे। उन्होंने 5000 वर्ष पूर्व जनभागीदारी योजना आरम्भ कर दी थी, आज भारत सरकार एवं प्रदेश की सरकारें उनके बताए मार्ग पर चल रही हैं और हर कार्य में जनभागीदारी को बढ़ावा दे रही है। महाराजा

अग्रसेन जी ने हरियाणा के हिसार जिले के अग्रोह में जन्म लिया और उस समय महाराजा अग्रसेन जी ने एक रुपया एक ईंट प्रत्येक अग्रजन दूसरे अग्रजन परिवार को बसाने के लिए देवे यह संदेश दिया था। इस योजना से प्रत्येक व्यक्ति का अपना खुद का निवास बन गया। अतिथियों ने कहा कि आज मंदसौर अग्रवाल समाज ने भी सामाजिक क्षेत्र में नित नहीं उचाईयो को छुआ है। अनेक अवसरों पर जरूरतमंदों की मदद करने में समाज हमेशा अग्रणी रहता है। हम सब हमारे पितृ पुरुष के बताएं मार्ग पर चलने वाले अग्रबंधु है आने वाली नई पीढ़ी को भी हमें नेतृत्व एवं दिशा देना होगी तभी वह सही तरीके से चल सकेंगे। आरंभ में मुस्कान एंड स्फ़ द्वारा वेलकम डॉस की शानदार प्रस्तुति दी गई। अग्रवाल प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा के आक्शन में काफी उत्साह देखने को मिला और सब खेलों सब जीतो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। अतिथियों का स्वागत नव मनोनीत अध्यक्ष संजय मित्तल, जितेन्द्र मित्तल, अरविंद कागला, राजकुमार सिंहल, संतोष गोयल, अनिल अग्रवाल अमृत, ओम प्रकाश मित्तल, संजय गुप्ता सहित अन्य ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष अग्रवाल ने किया तथा आभार पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने माना।

सुवासरा में 60 लीटर महुआ शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, बाइक जब्त



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बामन देवरीया के दो कंजरों को

60 लीटर हाथ भट्ठी की महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना प्रभारी निरीक्षक बी.डी. बिरा के मार्गदर्शन में सजिन लक्ष्मीलाल जोशी की टीम ने मुखबिर् की सूचना पर देवरीया विजय फंटे पर घेराबंदी की। पुलिस ने मोटरसाइकिल पर सवार चंदर पिता फत्ता कंजर (65) और शर्मा पिता मुनीम कंजर (25), निवासी बामन देवरीया, थाना उन्हेल नागेश्वर, जिला झालावाड़ को पकड़ा। तलाशी में बाइक पर बंधी दो प्लास्टिक की केन से 60 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर बाइक सहित शराब जप्त कर ली है। आरोपियों से शराब के स्रोत और खपाने के ठिकाने को लेकर पूछताछ जारी है।

अपराधियों पर काल बने रतनगढ़ थाना प्रभारी बी.एल. भाभर: डेडचूरा तस्करी का भंडाफोड़ कर फिर साबित की मुर्तेदी



सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मादक पदार्थों के सौदागरों और अवैध तस्करों के खिलाफ रतनगढ़ पुलिस ने एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक भरी है। थाना प्रभारी निरीक्षक भूरालाल भाभर के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम

ने मानपुरा फंटे पर नाकाबंदी के दौरान राजस्थान नंबर की द्र20 कार से 39 किलोग्राम अवैध डोडचूरा जब्त करने में बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई में कार और मोबाइल सहित करीब 5.70 लाख रुपये का माल बरामद कर भीलवाड़ा के एक शांतिर तस्करी को सलाखों के पीछे भेजा गया है। जब से निरीक्षक भूरालाल भाभर ने रतनगढ़ थाने की कमान संभाली है, क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगा है। तस्करी के हर नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए वे स्वयं ग्रांडज जीरो पर एक्टिव रहते हैं। 7 अक्टूबर को भी जब तस्करी शांतिर तरेके से कार की छिंदी में प्लास्टिक के कट्टों में डोडचूरा छिपाकर ले जा रहा था, तब थाना प्रभारी भाभर की पैनी नजरों और सटीक रणनीति ने उसे धर दबोचा। पुलिस की इस तत्परता ने यह साफ कर दिया है कि रतनगढ़ पुलिस की नाक के नीचे से कोई भी अपराधी बचकर नहीं निकल सकता। थाना प्रभारी बी.एल. भाभर के नेतृत्व में रतनगढ़ थाना पुलिस अपराधियों में डर और आमजन में विश्वास के नारे को जमीनी हकीकत में बदल रही है। निरंतर मिल रही इन सफलताओं से जहाँ एक ओर क्षेत्र के नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है, वहीं दूसरी ओर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले सिंडिकेट में हड़कप मचा हुआ है। एनडीपीएस एक्टर के रहत मामला दर्ज कर अब पुलिस इस पूरे तस्करी नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने में जुट गई है।

सम्पादकीय

सर्वोच्च न्यायालय की महंगी दवाओं पर तीखी प्रतिक्रिया

सर्वोच्च न्यायालय ने कैसर की दवाओं की एमआरपी और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजूबा करार दिया है। यह अंतर १० गुना से भी ज्यादा है। २७०० रुपए की खुदरा बिक्री वाली कैसर की दवा पर एमआरपी २७,००० रुपए अंकित होने पर इसे न्यायामूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पहले तो ‘दिन-दहाड़े’ डकैती कहा और फिर २९ सितंबर २०२६ को की गई सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टुक षब्दों में ‘कल्टेआम’ यानी ‘सामूहिक-संहार’ तक कहने में संकोच नहीं किया। दवा कारोबारी, निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी, दूसरी कोई हो नहीं सकती अदालत ने यह स्वावल भी खड़ा किया कि ‘इतना पैसा कहाँ जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है ?’ यह टिप्पणी सीधे-सीधे दवा उत्पादक, निजी अस्पतालों के मालिक एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिस जिम्मेबारों का अमानवीय चेहरा सामने लाती है।

यह विडंबना तब है, जब भारत सरकार एक दवा, एक मूल्य और एक गुणवत्ता नीति से जुड़ा कानून फरवरी २०२५ में पूरे देश में लागू कर चुकी है। इस नियम के तहत खेरीज, थोक दवा विक्रेताओं और ई-फार्मसी को दवाओं की मूल्य-सूची को सार्वजनिक रूप से दिखाना अनिवार्य है, ताकि रोगियों को तय दामों पर ही उचित गुणवत्ता की मानक दवाएं मिल सकें। परंतु पेशी न्यायालय को इस तीखी प्रतिक्रिया से साफ है कि दवा विक्रेताओं और सरकारी दवा खरीद से जुड़े अधिकारियों ने इस कानून को बड़े खाते में डाल दिया है। कांपैरिट अस्पताल अब सेवा नहीं उद्योग बन गए हैं। यहां तक की ये अस्पताल के भीतर स्थित मेडिकल स्टोर से ही रोगी को दवा खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। यदि कोई रोगी बाहर से दवा लाने को कहता है तो उपचार की जिम्मेदारी से पछा झाड़ लेने की बात (एक तरह की धमकी) कहते हैं। जबकि इनमें से ज्यादातर अस्पताल आयुश्मान भारत और अन्य सरकारी लाभदायी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत भी उपचार करते हैं। यानी दवा उत्पादकों और अस्पतालों की मनमानी कानून अस्तित्व में आने के बाद भी बनी हुई है। क्योंकि फार्मा कंपनियां अपनी दवाओं के मूल्य का निर्धारण किस आधार पर करती हैं, यह भी एक बड़ा सवाल है ? साफ है, जब दवाएं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं, तो फिर एमआरपी के छद्म-आधारित मूल्य व्यवस्था कैसे और क्यों बनी हुई है ? जबकि सबका स्वास्थ्य रहना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है।

कुछ समय पहले कंपनी मामलों के मंत्रालय की एक सर्वे रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया था कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर बाहर की जा रही हैं। इस रिपोर्ट ने तय किया कि दवाओं की महंगाई का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राश्ट्रीय आंशधि मूल्य निर्धारण प्रक्रिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं और दवाओं की कीमत कई सैकड़ गुना तक अधिक रख देती हैं। यहां तक की नामी-गिरामी दवा कंपनियां भी दो सी से पांच सी गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। ये महंगे दवा उत्पाद सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार के बूते खपाए जाते हैं।

इसके पहले नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने भी देधी-विदेधी दवा कंपनियों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की ? यह गोलमाल प्रत्यक्ष रूप से

ग्राहकों के साथ तो हो ही रहा है, अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के साथ राजस्व कर के रूप में भी हो रहा है। इस धोखाधड़ी को लेकर सीएजी ने सरकार को दवा मूल्य नियंत्रण अधिनियम में संशोधन का सुझाव दिया था। ऐसे ही सुझावों को मानते हुए सरकार ने देशभर में फैले सीजीएचएस के १२०० अस्पताल, २०० जांच केंद्र, ५०० वेलेनेस सेंटर और ८००० से अधिक जन-औषधि भंडारों पर एक मूल्य, एक दवा भेजने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। हालांकि इस योजना पर प्रभावी अमल की दृष्टि से सरकार को मजबूत और पारदर्शी नेटवर्क बनाना होगा ? जिसके लिए प्रभावी डेटा भी जरूरी है। इस दवा वितरण में बोली के आधार पर भागीदारों को देने वाले विक्रेताओं की तकनीकी योग्यता से कहीं ज्यादा ईमानदारी के मानदंडों की जरूरत है। दवा ऋय समिति को भी उन दवाओं को खरीदने की जरूरत है, जो उपचार में प्रभावी और कीमत में सस्ती हों। क्योंकि अंततः सरकार का उद्देश्य आम आदमी को सस्ती, असरकारी और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना ही है। चूंकि देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है, इसलिए उन्हें भी यदि इस योजना में भागीदार बना लिया जाए तो दवा वितरण का दायरा तो बढ़ा होगा ही, लाभ लेने वाले रोगियों का दायरा भी बढ़ जाएगा।

ईसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा करोबार अपने देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अंतैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगी उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है।

स्वयं को जानकर ही निर्भय जीवन जिया जा सकता है



मनुष्य के जीवन में भय, चिंता और नकारात्मकता का सबसे बड़ा कारण अवसर बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि उसका अपना मन होता है। मन को नियंत्रित करना सबसे कठिन कार्यों में से एक है। यही मन कभी-कभी अच्छे से अच्छे व्यक्ति को भी गलत निर्णय लेने के लिए विवश कर देता है। भय की स्थिति में उठाया गया कदम व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप से दूर कर देता है। सत्य यह है कि जहाँ ईश्वर के प्रति विश्वास कम होता है, वहीं भय अपना स्थान बना लेता है। अवसर जब जीवन में अचानक कोई कठिनाई, असफलता या व्यथा आती है, तो मनुष्य ईश्वर की ओर दौड़ता है। लेकिन यह दौड़ प्रायः समस्या से मुक्ति पाने के लिए होती है, ईश्वर को पाने के लिए नहीं। यदि हमारी खोज वास्तव में ईश्वर को पाने की हो, तो जीवन के व्यवधानों का सामना करने की शक्ति स्वयं हमारे भीतर जागृत होने लगती है। एक सच्चे भक्त को किसी से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उसे विश्वास होना चाहिए कि ईश्वर का हाथ सबके साथ है। यही विश्वास जीवन में शांति और निर्भयता लाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि मन को वश में कैसे किया जाए? इसका उत्तर सहज योग में मिलता है ईश्वर को केवल मानना नहीं, बल्कि उन्हें अपने भीतर धारण करना और उनकी उपस्थिति का अनुभव करना।

सहज योग आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप से परिचित कराता है। हमारे भीतर ही वह दिव्य शक्ति विद्यमान है, जिसे अनुभव करके हम स्वयं को आत्मा के रूप में पहचान सकते हैं। विभिन्न धर्मों में पूजे जाने वाले देवी-देवताओं के गुण भी हमारे भीतर विद्यमान हैं। आत्मसाक्षात्कार के बाद व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन अनुभव करता है और धीरे-धीरे भय, असुरक्षा तथा नकारात्मकता से ऊपर उठने लगता है।

परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने ७ मार्च १९८१ के अपने प्रवचन में कहा है, आपको बस खुद को स्वीकार करना होगा, बस इतना ही। सहज योग उतना ही सरल है। उन्होंने आत्मसाक्षात्कार के बाद व्यक्ति के स्वयं अपना शिक्षक बनने की बात कही और स्मरण कराया कि हमें अपने प्रति दयालु होना चाहिए, क्योंकि हम स्वयं आत्मा के संरिह हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम ईश्वर को केवल बाहर न खोजें, बल्कि अपने भीतर उनकी उपस्थिति को जानें और अनुभव करें। स्वयं को जानना ही आत्मसाक्षात्कार है और सहज योग इस अनुभव का सरल माध्यम है।

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष २०२६ के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कालं डेसरेथ, पीटर हेगमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवर्षिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है

आतंक की अनदेखी करने वाला मोन

आतंकवाद से लड़ना केवल इसलिए कठिन नहीं है कि इसका ठिकाना नहीं कि कौन कब अतिवादी-जिहादी विचारों से भर जाए। ऐसे लोगों का किसी आतंकी संगठन से जुड़ना जरूरी नहीं। वे कट्टरपंथी विचारों से कुप्रेरित होकर अकेले ही आतंकी घटना को अंजाम दे सकते हैं। कई देशों में ऐसी घटनाएं होती भी रहती हैं, जिन्हें लोन वुल्फ़ कहे जाने वाले आतंकी अंजाम देते हैं। वे कभी किसी सार्वजनिक स्थल पर बम विस्फोट कर देते हैं या भीड़ पर ट्रक चला देते हैं अथवा लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा देते हैं। हाल में ऐसी एक घटना आस्ट्रेलिया में हुई थी।

लोन वुल्फ़ या किसी संगठन से जुड़े आतंकियों में डाक्टरों, इंजीनियरों और पायलटों तक की भी गिनती होने लगी है। दिल्ली में लाल किला बम विस्फोट डाक्टरों के एक आतंकी समूह का कारनामा था। इस कार विस्फोट को एक आत्मघाती आतंकी ने अंजाम दिया था। फ्लाईटदुर्बड़ का ओमानी मूल का को-पायलट हमाम अल-हम्मामी भी आतंकी निकला। वह उन अलकायदा आतंकियों से कुप्रेरित जान पड़ता है, जिन्होंने अमेरिका में ९/११ की घटना को अंजाम दिया था।

अभी तक की जांच के आधार पर यही माना जा रहा है कि अल-हम्मामी एक लोन वुल्फ़ आतंकी है। उसका इरादा भारतीय पायलट स्मित मच्छर को कांकपिट में मारकर १७४ यात्रियों से भरे विमान को तेल अवीव के हवाईअड्डे पर ध्वस्त करने का था। यह ९/११ सरीखी भीषण आतंकी घटना होती और इसमें हजारों लोग मारे जा सकते थे। कल्पना करें, इसके बाद पश्चिम एशिया के क्या हालात होते? स्मित मच्छर ने अपने अग्रतिम साहस से अल-हम्मामी के शैतानी इरादों को नाकाम कर दिया। वे दुनिया भर के लिए हीरो बन गए हैं।

आमतौर पर हर कोई उनकी प्रशंसा कर रहा है, लेकिन हर मामले में साजिश की कहानी गढ़ने वाले कुछ तत्व इस घटना को फाल्स फ्लैग आपरेशन यानी इजरायली प्रधानमंत्री के इशारे पर की गई कार्रवाई बता रहे हैं, ताकि वे चुनावी लाभ उठ सकें। आखिर जिस आतंकी घटना को एक भारतीय पायलट ने नाकाम किया, उससे इजरायली प्रधानमंत्री को चुनावी लाभ कैसे मिल जाएगा? समस्या यह है कि कुतर्क गढ़ने वाले तर्क और तुक की बात सुनना पसंद ही नहीं करता। यह नई आदत नहीं। ९/११ के बारे में भी यही कहा गया था और २६/११ को लेकर भी।

याद करें, इस आतंकी हमले पर आरएसएस की साजिश नामक एक किताब लिखी गई थी, जिसका लोकार्पण करने वालों में कांग्रेस नेताओं के साथ फिरेकवार महेश भट्ट भी थे।

—धनंजय राजौरा

कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है। इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुगुंथित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे।

यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिलैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया

कैप्टन स्मित मच्छार , भारतीय बहादुरी के सच्चे प्रणेता

कैप्टन स्मित ने प्रधानमंत्री से चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें हनुमान चालीसा से बहुत आत्म बल प्राप्त हुआ और इसी हनुमान चालीसा को याद करते हुए उन्होंने १७४ यात्रियों की जीवन रक्षा की कोशिश की, बहादुरी का अर्थ केवल शत्रु से लड़ना नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना आदर्श बताया। मृत्यु सामने खड़ी हो, जब अपने प्राण संकट में हों और सामने सैकड़ों निर्दोष लोगों का जीवन दौंव पर लगा हो, तब अपने भय को पराजित करके दूसरों की रक्षा के लिए आगे बढ़ना ही वास्तविक वीरता है।

स्मित मच्छार की बहादुरी हमें भारत की उस गौरवशाली परंपरा की याद दिलाती है जिसमें वीरता का अर्थ केवल युद्ध में शत्रु को परास्त करना नहीं, बल्कि संकट में निर्दोषों की रक्षा करना है। नीरजा भनोट ने विमान में यात्रियों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। स्मित मच्छार की परिस्थिति अलग थी, लेकिन दोनों के साहस का मूल भाव एक है अपने

से पहले दूसरों के जीवन की सुरक्षा।

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर ने आकाश में घंटित जिस भयावह घटना के बीच अदस्य साहस और असाधारण सूझ-बूझ का परिचय दिया, वह भारतीय साहस की परंपरा को गौरवाचित करने वाली घटना है। ३० सितंबर २०२६ को फ्लाईटदुर्बड़ भय की उड़ान खीं10७३ दुर्बड़ से तेल अवीव के लिए रवाना हुई थी। विमान में १७४ यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। उड़ान के दौरान कांकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन स्मित मच्छार पर अचानक हमला कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार हमलावर ने क़ैश-ऐक्स से उन पर गार किया। इस हमले में कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थिति इतनी भयावह थी कि विमान कुछ ही क्षणों में हजारों फीट नीचे चला गया। बाद की जाँच में संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने इस घटना को आतंकवादी कृत्य के रूप में वर्गीकृत किया है।

लेकिन असली कहानी उस हमले से शुरू नहीं होती, बल्कि उस क्षण से शुरू होती है जब गंभीर रूप से घायल कैप्टन स्मित मच्छर के सामने दो विकल्प थे या तो वे अपने जीवन को बचाने के लिए संघर्ष करें अथवा विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की जिंदगी को बचाने का जोखिम उठाएं। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। गंभीर चोटों के बावजूद उन्होंने कांकपिट का दरवाजा खोलने का निर्णय लिया। यही निर्णय निर्णायक साबित हुआ। यात्रियों और चालक दल के लोगों को भीतर आने का अवसर मिला और हमलावर को काबू किया जा सका। विमान को बाद में सउदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपातकालीन रूप से उतारा गया। विमान में सवार सभी १७४ यात्रियों की जान बच

तेल की कीमतों का झटका और भारत में बढ़ती महंगाई

महंगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमत बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण काम करते हैं। जब किसी देश में विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं या कच्चे माल की कीमत बढ़ती है और उसका असर घरेलू बाजार की कीमतों पर पड़ता है, तो इसे आयातित महंगाई कहा जाता है। भारत जैसे देश के लिए यह चुनौती अधिक गंभीर है, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था ऊर्जा की आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव इसलिए केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर परिवहन, उद्योग, कृषि, खाद्य पदार्थों और अंततः आम आदमी की जेब तक पहुंचता है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का ८५ प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ना भारत के लिए सीधे तौर पर महंगे आयात का संकेत है। जब वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, तेल उत्पादक देशों द्वारा उत्पादन में कटौती, आपूर्ति में बाधित होने या मांग बढ़ने जैसे कारणों से कच्चे तेल की कीमत अचानक बढ़ती है, तो भारत को उसी तेल के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। यही वह पहला बिंदु है जहाँ से आयातित महंगाई का दबाव शुरू होता है।

तेल की कीमत बढ़ने का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव ईंधन की लागत पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल महंगे होने पर परिवहन लागत बढ़ जाती है। भारत में सड़क परिवहन व्यापार और आपूर्ति-श्रृंखला की रीढ़ है। खेत से मंडी, मंडी से थोक बाजार और वहाँ से दुकान तक पहुँचने वाली अधिकांश वस्तुओं के परिवहन में ईंधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए डीजल

और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उल्लव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती।

इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक

स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके।

अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उत्तर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।

—ललित गर्ग

भारतीय बहादुरी के सच्चे प्रणेता

अलग थी, लेकिन दोनों के साहस का मूल भाव एक है—अपने से पहले दूसरे का जीवन।

आज जब संसार तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक सुविधाओं की चर्चा कर रहा है, तब यह घटना हमें याद दिलाती है कि किसी भी तकनीक की अंतिम सुरुक्षा मनुष्य के विवेक, प्रशिक्षण और चरित्र पर निर्भर करती है। विमान अत्यधुनिक हो सकता है, उसमें असंख्य सुरुक्षा प्रणालियाँ हो सकती हैं, लेकिन संकट की अंतिम घड़ी में निर्णय मनुष्य ही लेता है। स्मित मच्छर ने उस परीक्षा में अपने साहस और प्रशिक्षण की असाधारण मिसाल प्रस्तुत की।

उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनके साहस को सराहा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भी उन्हें सम्मानित करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। लेकिन किसी भी पुरस्कार से बड़ा पुरस्कार विश्वास है जो १७४ यात्रियों के परिवारों के मन में उनके प्रति पैदा हुआ है। उन परिवारों के लिए स्मित मच्छर केवल एक पायलट नहीं हैं। वे वह व्यक्ति हैं जिसने मृत्यु के सामने खड़े होकर जीवन का पक्ष चुना।

आज भारत को ऐसे ही साहसी और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों की आवश्यकता है। देश केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिकों से ही महान नहीं बनता; देश उन नागरिकों से भी महान बनता है जो अपने-अपने कार्यक्षेत्र में संकट के समय जिम्मेदारी निभाते हैं। एक डॉक्टर ऑपरेशन थिएटर में, एक अग्निशमनकर्मी आग के बीच, एक सैनिक सीमा पर और एक पायलट हजारों फीट ऊपर—जब कोई व्यक्ति अपने कर्तव्य को अपने भय से बड़ा बना देता है, वहीं राष्ट्र की वास्तविक शक्ति दिखाई देती है। कैप्टन स्मित मच्छर की कहानी आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती रहेगी कि सच्चा नायक वह नहीं होता जिसे कभी संकट का सामना न करना पड़े; सच्चा नायक वह होता है जो संकट के बीच भी सही निर्णय लेने का साहस रखता है। आकाश में उस दिन केवल एक विमान नहीं बचा था। उसके साथ १७४ जिंदगियाँ बची थीं, सैकड़ों परिवारों की उम्मीदें बची थीं और मानव साहस पर विश्वास भी बचा था। स्मित मच्छर ने अपने धावन शरीर से यह सिद्ध किया कि साहस शरीर की ताकत का नहीं, आत्मबल का नाम है। वे भारतीय बहादुरी के इसलिए सच्चे प्रणेता हैं क्योंकि उन्होंने अपने कर्म से बताया कर्तव्य जब सामने हो तो भय पीछे हट जाता है और साहस इतिहास लिखता है।

—संजीव ठाकुर

भारत में बढ़ती महंगाई

तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि महंगाई की अपेक्षाओं को भी प्रभावित करती है। जब लोगों और कारोबारियों को लगता है कि ईंधन महंगा होने के कारण आगे भी लागत बढ़ेगी, तो वे पहले से ही अपनी कीमतों में वृद्धि करने लगते हैं। मजदूरी, माला द्रुलाई, सेवाओं और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह शुरुआती तेल झटका व्यापक महंगाई में बदलने की क्षमता रखता है। भारतीय रिजर्व बैंक के आकलनों में भी कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का मुद्रास्फीति पर स्पष्ट प्रभाव माना गया है; अवसर उद्भूत अनुमान के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में १० प्रतिशत वृद्धि से उपभोक्ता मूल्य आधारित महंगाई पर लगभग २० आधार अंकों का दबाव पड़ सकता है, हालांकि वास्तविक प्रभाव परिस्थितियों के अनुसार बदलता है। ऐसे समय में सरकार और केंद्रीय बैंक के सामने संतुलन की चुनौती होती है। यदि ईंधन पर करों में बहुत अधिक वृद्धि की जाए तो उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है, जबकि अत्यधिक कर कटौती से सरकार के राजस्व पर दबाव आ सकता है। इसलिए असाधारण वैश्विक तेल झटकों के समय संतुलित और समयबद्ध कर नीति आवश्यक है। इसी प्रकार मौद्रिक नीति के स्तर पर महंगाई की दूसरी लहर को रोकना जरूरी है, लेकिन अत्यधिक कठोर कदम आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं। दीर्घकालीन समाधान केवल तेल की कीमतों को नियंत्रित करने में नहीं, बल्कि तेल पर निर्भरता कम करने में है। भारत को कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लानी होगी और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करना होगा, ताकि वैश्विक आपूर्ति संकट के समय तत्काल दबाव कम किया जा सके।

— डॉ. सत्यवान सौरभ

रेत के अवैध उत्खनन पर एक-दो कार्रवाई, लेकिन बड़ा सवाल- किसकी मिलीभगत से चल रहा कारोबार

तुरनाल घाट से 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली और लोहे की नाव जब्त, कार्रवाई के बावजूद लंबे समय से जारी अवैध खनन पर उठे सवाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। खनिज विभाग ने बुधवार को तुरनाल घाट क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन में इस्तेमाल की जा रही दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और एक बड़ी लोहे की नाव को जब्त किया। वहीं क्षेत्र में गश्त के दौरान एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध रेत परिवहन करते पकड़ा गया। चारों वाहनों/नाव को संबंधित थानों की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। कार्रवाई की यह तस्वीर सामने आने के बाद अब बड़ा सवाल यह है कि यदि घाट क्षेत्रों में अवैध रेत उत्खनन खुले तौर पर चल रहा था तो खनिज विभाग को इसकी जानकारी पहले क्यों नहीं हुई? क्या विभागीय अमला



नियमित रूप से घाटों की निगरानी कर रहा था या कार्रवाई केवल शिकायत अथवा सूचना मिलने के बाद ही होती है?

स्थानीय स्तर पर लंबे समय से यह चर्चा

भी सामने आती रही है कि रेत के अवैध कारोबार पर प्रभावी निगरानी नहीं होने से कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। विभागीय स्तर पर कथित मिलीभगत और अवैध वसूली की चर्चाएं भी समय-समय पर उठती रही हैं, हालांकि इन चर्चाओं की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। ऐसे में सवाल यह भी है कि यदि नियमित गश्त और निगरानी व्यवस्था प्रभावी है तो घाटों पर अवैध उत्खनन के लिए लोहे की नाव और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां किस तरह लगातार पहुंच रही हैं?

सबसे अहम बात यह है कि विभाग ने एक दिन की कार्रवाई में तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और

एक नाव पकड़ ली, लेकिन क्या अब यह जांच होगी कि इन क्षेत्रों में पिछले कई दिनों या महीनों से कितना अवैध रेत उत्खनन हुआ और इसके पीछे कौन लोग सक्रिय हैं? केवल वाहन जब्त कर प्रकरण दर्ज करने से क्या अवैध खनन का पूरा नेटवर्क खत्म हो जाएगा? खनिज विभाग के अनुसार जब्त वाहनों और नाव के खिलाफ मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम तथा मध्यप्रदेश खनिज (उत्खनन, परिवहन और भंडारण) निवारण नियम, 2022 के तहत कार्रवाई की जा रही है। अब देखना यह होगा कि विभाग जब्त वाहनों तक कार्रवाई सीमित रखता है या अवैध रेत उत्खनन के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क, संरक्षण देने वालों और कथित वसूली तंत्र की भी जांच कराता है।

संभागायुक्त आशीष सिंह एवं कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने किया नागधम्मन नाले का निरीक्षण



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग के संभागायुक्त आशीष सिंह एवं देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह द्वारा संयुक्त रूप से नागधम्मन नाले का सघन स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान संभागायुक्त ने ग्राम हवनखेड़ी पहुंचकर नाले की वर्तमान स्थिति एवं जल प्रवाह का सूक्ष्मता से मुआयना किया।

स्थल निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागधम्मन नाले के पानी के विभिन्न स्थानों से समय-समय पर सैंपल लिए जाएं तथा पानी की गुणवत्ता व प्रदूषण स्तर की नियमित प्रयोगशाला जांच कराई जाए। संभागायुक्त ने क्षेत्रीय औद्योगिक इकाइयों में स्थापित

एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के सुचारू संचालन का विशेष एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी औद्योगिक इकाई द्वारा बिना उपचारित दूषित रासायनिक पानी या अपशिष्ट नाले में सीधे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। यदि किसी भी उद्योग द्वारा नियमों का उल्लंघन कर दूषित जल बहाया जाना पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के तहत कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने एमपीआईडीसी एवं संबंधित विभागों को नाले के समीप स्थित उद्योगों की निरंतर मॉनिटरिंग करने तथा पर्यावरण संरक्षण के मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए।

शासकीय पालिटेक्निक महाविद्यालय में किया टेक्नो-उदय का शुभारंभ मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अवसर: मतदान केंद्रों पर 9 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे हैं विशेष शिविर, एक माह चलेगा स्पेशल ड्राइव

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत स्थानीय शासकीय पालिटेक्निक कॉलेज में टेक्नो-उदय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। चार दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, नवाचार, तकनीकी कौशल एवं अभिव्यक्ति की क्षमता को विकसित करना है। कार्यक्रम के पहले दिन बुधवार को आइडिया एवं क्रिएटिविटी स्पिरिट का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों के लिए विभिन्न व्यक्तिगत प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों



करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर सोचने, सृजन करने और अपने विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी नवाचार एवं तकनीकी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर व्याख्याता गायत्री सिंह, सपना महाजन, योगेश मानकर, जोगेंद्र भारती, मनीष सक्सेना, अर्पित सक्सेना, दर्पण चौधरी, डॉक्टर रितेश शर्मा, अशफाक कुरैशी, सचिन पाटीदार एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ने नवीन विचारों, रचनात्मक पोस्टर, प्रभावी वक्तृत्व एवं लेखन कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विचारों में समस्या समाधान, नवाचार, तकनीकी उपयोग तथा समाज एवं राष्ट्र के विकास में इंजीनियरिंग की भूमिका जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया। प्राचार्य विपुल परमाथी ने विद्यार्थियों को संबोधित

ट्रेक्टर-बाईक की भिड़त में एक की मौत, एक घायल



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गिड़ौ मशीनों से काम कर अपने घर लौट रहे दो युवकों की बाईक ट्रेक्टर से टकरा गई। हदसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा बाईक सवार युवक घायल हो गया जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सुबह-सुबह की है जब लाहौरी निवासी मोहित सौराष्ट्रीय पिता बालचंद और शिवम पिता अशोक सांखेड़ा स्थित गिड़ौ मशीन पर काम करते थे जो बुधवार सुबह बाइक से काम खत्म कर शाजापुर से अपने गांव लाहौरी लौट रहे थे। इसी दौरान आला उमरोद जोड़ के पास उनकी बाइक ट्रेक्टर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोहित की मौके पर ही मौत हो गई और बाईक पर बैठे शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ट्रेक्टर को भी नुकसान पहुंचा। आसपास के लोगों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले दर्ज कर हदसे की जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत की खबर से परिवार में मातम है और गांव में शोक का माहौल है।

7 फीट पानी शेष रखें, बाकी नहरों में छोड़ें

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के किसानों ने बुधवार को सिंचाई के पानी की समस्या को लेकर कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार राकेश चौहान को एक ज्ञापन दिया। जिसमें मांग की गई है कि 7 फीट पानी बचाकर नहरों के माध्यम से छोड़ा जाए। किसानों ने बताया कि अल्पवर्षा की स्थिति में फसलों का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है।

जिले में जंगली जानवरों का खौफ, घर के बाहर बच्ची पर सियार ने किया हमला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विहिन क्षेत्र शाजापुर में जंगली जानवरों की आमद लगातार बनी हुई है। बुधवार का भी एक सियार ने अपने घर के बाहर खेल रही बच्ची पर सियार ने हमला कर घायल कर दिया। गनीमत रही कि समय रहते परिजन वहां पहुंच गए और

सियार को वहां से भगा दिया। जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल बच्ची की हालत सामान्य है। ग्राम बिरगोद निवासी कमल कराड़ा की बेटी 6 वर्षीय बालिका दिव्यांशी बुधवार को अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी

दौरान अचानक आए सियार ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजन ने सियार को भगाया और घायल बच्ची को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल डॉक्टर के अनुसार प्राथमिक



दास्तां का भावपूर्ण वर्णन किया। तत्पश्चात रात्रि 9 बजे प्रसिद्ध संगीतकार विनित मेवावत द्वारा संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। कांफ्रेंस के द्वितीय दिवस 5 अक्टोबर प्रातः 10 बजे समारोह स्थल पर भव्य वरघोड़े का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्थान से आए सोशल रूपां ने अपना सराहनीय प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में शाजापुर रूप द्वारा प्रदर्शित मोबाइल से दूरी बहुत जरूरी थीम को खूब सराहना मिली। दोपहर 3 से 5 बजे तक धार्मिक तंबोला तथा उपस्थित रूपों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर अतिथि विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हकुमचंद सांवला उपस्थित रहे।

श्री सांवला ने सामाजिक बंधुओं को संगठित और सशक्त बनने का आह्वान करते हुए समाज के गौरवशाली अतीत का वर्णन किया। शाम 7 बजे से तीर्थ पर दर्शन व महाआरती का आयोजन किया गया। दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस की सफलतापूर्वक कार्यक्रम में जैन सोशल रूप फेडरेशन के अध्यक्ष कमलेश कोठारी, वरिष्ठ पदाधिकारी पीयूष जैन, राजेन्द्र जैन, संजय नाहर, नरेंद्र संचेती तथा संजय जैन (मैननेजर) सहित समस्त प्रमुख पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा। उक्त कांफ्रेंस में शाजापुर नगर के जैन सोशल रूप मेम अय्यक्ष कुणाल - मेघा जैन एवं सोशल रूप यूनिट अध्यक्ष अंकिता - रितेशा जैन के नेतृत्व में मुख्य रूप से वरिष्ठ सदस्य दिनेश जैन, प्रो.डॉ. राजेन्द्र जैन, विजय बिड़ला, मनोज नारेलिया, संजय रामसणा, राजू तातेड़, लोकेश जैन (बंटी), आशीष जैन, संदीप जैन, सचिन जैन (मोटू), मिर्तेषा कोठारी, नवीन जैन, दीपक जैन, कुणाल जैन, रितेशा जैन, मंगल नाहर, जय नारेलिया, अक्षय नारेलिया रोहन जैन, प्रांजल मांडलिक एवं प्रांजल कोठारी सपरिवार शामिल हुए।

इलाज के बाद बच्ची की स्थिति सामान्य है। डॉक्टर की टीम उसकी हालत पर लगातार नजर बनाए हुए है। इधर घटना के बाद से गांव और आसपास के इलाकों में चन्चलीजों की सक्रियता को लेकर ग्रामीणों में डर का माहौल है।

कलेक्टर मुर्दाबाद' के नारों से गूंजा देवास, 2 हजार पटवारियों का शक्ति प्रदर्शन

सेवा समाप्ति और दंडात्मक कार्रवाई के विरोध में कलेक्टर कार्यालय घेरा, दो घंटे तक नारेबाजी के बाद धरने पर बैठे पटवारी



नितिन विश्वकर्मा, देवास ग्रामीण तहसील के अजय नागर और टोकबुर्द तहसील के विशाल टटैया-की सेवाएं समाप्त किए जाने का विरोध किया जा रहा है। संघ का कहना है कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन सहित विभिन्न राजस्व कार्यों से जुड़ी व्यवहारिक और कानूनी समस्याओं से शासन को पहले ही अवगत कराया जा चुका था। कलेक्टर कार्यालय पहुंचने के बाद पटवारी लगातार नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आंदोलन के बावजूद कलेक्टर मौके

पर नहीं पहुंचे। इसके बाद पटवारियों ने परिसर में भजन-कीर्तन और हनुमान चालीसा का पाठ किया। बाद में दरी बिछकर धरना शुरू कर दिया। संघ ने प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर देवास में की गई सेवा समाप्ति तथा प्रदेश के अन्य जिलों में पटवारियों के खिलाफ की गई निलंबन और अन्य दंडात्मक कार्रवाई वापस लेने की मांग की। पटवारी संघ ने घोषणा की कि 7 अक्टूबर से प्रदेशभर का पटवारी संवर्ग ऑनलाइन राजस्व कार्यों से विरत रहेगा। जिले के पटवारी 9 अक्टूबर तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों नहीं मानी गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष और बड़ी संख्या में पटवारी शामिल रहे। देवास में हुए इस प्रदर्शन के दौरान 'कलेक्टर मुर्दाबाद' के नारों ने प्रशासन और पटवारी संघ के बीच बढ़ते टकराव को खुलकर सामने ला दिया।

सेवा ज्योति संकल्प यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, मशाल लेकर निकले भाजपाई



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को विशेष आयोजन किया गया। इस दिन जिला मुख्यालय पर 'सेवा ज्योति संकल्प यात्रा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों से आए भाजपा कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां राजराजेश्वरी माता मंदिर से हुआ। जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा कार्यकर्ता मोटर साइकिलों के माध्यम से यहां पहुंचे। इसके पश्चात सभा आयोजित हुई, जिसमें राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के नेताओं के उद्बोधन हुए। जिन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जनसेवा हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रातः 10.30 बजे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी का उद्बोधन हुआ। इसके पश्चात देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने सुना।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पाण्डेय ने दिया। इसके पश्चात मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री एवं विधायक इंद्रसिंह परमार ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव ने किया। जनप्रतिनिधियों ने थापी मशाल- कार्यक्रम के पश्चात सेवाज्योति संकल्प यात्रा की मशाल एवं रथ यात्रा निकाली गई। यात्रा को विशेष स्वरूप देते हुए जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया गया। शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, कालापीपल विधायक घनश्याम चन्द्रवंशी तथा शुजालपुर विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंद्रसिंह परमार ने स्वयं हाथों में मशाल लेकर यात्रा में सहभागिता की। यह मशाल यात्रा मां राजराजेश्वरी माता मंदिर से गांधी हाल तक सेवाज्योति संकल्प यात्रा निकाली गई। नगर के विभिन्न मार्गों से निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन शामिल हुए। मशाल यात्रा ने सेवा, समर्पण, एकता और जनसेवा के संकल्प का संदेश दिया। पांच विशिष्ट प्रतिभाओं का हुआ सम्मान- भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय विश्वहरे ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित मनोहरलाल राय सहित पांच विशिष्ट प्रतिभाओं का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर सम्मानित प्रतिभाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए उनका अभिनंदन किया गया तथा समाज और युवाओं के लिए उनके कार्यों को प्रेरणादायी बताया।

अफसरों ने उठाई झाड़ू तो भड़के सफाई कर्मचारी : 'हक देने के बजाय आंदोलन मत दबाओ', तीखी नोकझोंक से गर्माया

बदनावर- सफाई कर्मचारियों के हित और सम्मान की लड़ाई तेज, प्रशासनिक कोशिशों के आगे नहीं झुके आंदोलनकारी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद बदनावर के सफाई कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। दिन-रात मेहनत करके शहर को स्वच्छ रखने वाले इन कर्मचारियों के हक और सम्मान की लड़ाई अब और तेज हो गई है। बुधवार को जब प्रशासन और परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों ने खुद झाड़ू उठाकर स्थिति संभालने की कोशिश की, तो कर्मचारियों ने एकजुटता दिखाते हुए इसका कड़ा विरोध किया और अपनी आवाज को और बुलंद कर दिया।

बुधवार सुबह नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी विकास डायर सड़कों



पर झाड़ू लगाने उतरे। लेकिन इसे सफाई कर्मचारियों ने अपने आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास माना। कर्मचारियों का कहना

है कि अपनी रोजी-रोटी, हक और सुरक्षा के लिए आवाज उठा रहे कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने के बजाय सांकेतिक रूप से झाड़ू उठाना उनके संघर्ष और मेहनत का अपमान है। मौके पर भारी संख्या में एकत्र होकर कर्मचारियों ने काम रोक दिया और अपना विरोध दर्ज कराया। सीएमओ के साथ हुई तीखी नोकझोंक में कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि

जब तक उनकी सभी जायज मांगों का स्थायी समाधान नहीं होता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

प्रशासन द्वारा मांगों पर तुरंत ठोस कदम न उठाए जाने से आक्रोशित सफाई कर्मचारियों ने कचरा ट्राली से निकालकर नगर परिषद के मुख्य गेट के आगे उड़ेल दिया। इस घटनाक्रम से प्रशासनिक हलके में हलचल मच गई। मौके पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तहसीलदार सुरेश नागर को पहुंचना पड़ा।कर्मचारी संगठन का कहना है कि नगर की स्वच्छता की नींव उनके पसीने पर टिकी है। यदि उनकी मांगों पर सहानुभूति और गंभीरता से विचार करने के बजाय उन्हें नजरअंदाज किया जाएगा, तो हड़ताल और भी उग्र रूप ले सकती है।

कर्मचारियों के आंदोलन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए पार्षद प्रतिनिधि संतोष चौहान और चेतन नागल ने धरने के मंच पर पहुंचकर कर्मचारियों से बातचीत की और समाधान निकालने का प्रयास किया। वहीं दूसरी ओर, मंगलवार को सफाई कर्मचारियों के मांग पत्र को लेकर अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव ने भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट कर आवश्यक विषयों पर सकारात्मक चर्चा की है। सफाई कर्मचारियों का स्पष्ट कहना है कि चर्चाओं के साथ-साथ अब उनके हित में लिखित आदेश और ठोस कार्य-योजना का अमल में आना जरूरी है, ताकि हर एक सफाई कर्मचारी को उसका हक, सुरक्षा और अधिकार मिल सके।

हिंगलाज माता मंदिर में ज्योति व घट स्थापना 11 अक्टूबर को

इस नवरात्र में अमृत सिद्धि, सर्वांग सिद्धि, व रवि योग का विशेष संयोग बन रहा है



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी पर आगामी नवरात्रि की तैयारी जोर शोर से चल रही है मंदिर पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि नवरात्रि की शुरुआत 11 अक्टूबर से चित्रा नक्षत्र में हो रही है। हाथी पर सवार होकर आएंगी मां

दुर्गा,,, श्रीमद् भागवत की मान्यता के अनुसार रविवार से नवरात्र प्रारंभ होने के कारण मां दुर्गा का वाहन हाथी रहेगा। हाथी पर सवार होकर देवी मां का आगमन देश,प्रदेश मे सुख समृद्धि,, आर्थिक प्रगति और कल्याण का सूचक माना जाता है। साधना और उपवास करने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह नवरात्र विशेष फलदाई सिद्ध होगी हिंगलाज माता मंदिर में 11 अक्टूबर को प्रातः के शुभ मुहूर्त में घट स्थापना एवं ज्योति प्रजलित की जाएगी। इसके पश्चात महा अष्टमी को हवन, एवं नवमी को कामाख्या देवी की विशेष पूजा अर्चना संपन्न होगी।

आगर-मालवा में यातायात पुलिस का जागरूकता अभियान, नर्सिंग कॉलेज के 150 विद्यार्थी हुए शामिल

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में संचालित यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को स्थानीय निजी कॉलेज, उज्जैन रोड पर यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यातायात पुलिस टीम द्वारा कॉलेज के लगभग 150 छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं को दो पहिया वाहन चलाते समय हेल्मेट लगाने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा तीन सवारी न चलने



के संबंध में विस्तार से समझाया गया। यातायात प्रभारी ने विद्यार्थियों को बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण यातायात नियमों की अनदेखी है। छोटी सी लापरवाही बड़ा हादसा बन सकती है। साथ ही गुड सेमेरिटन योजना के बारे में बताते हुए दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने व डायल 100, 108 व यातायात हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं यातायात थाने का स्टाफ मौजूद रहा।

बदनावर में सेवा सेतु अभियान के तहत लगा शिविर



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, बदनावर संभाग परिसर में बुधवार को सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता एवं सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देना और उन्हें सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

शिविर में सोलर पैनल लगवाने के इच्छुक 34 उपभोक्ताओं का मौके पर ही योजना के अंतर्गत पंजीयन किया गया। इस दौरान उपस्थित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने उपभोक्ताओं को सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए उपलब्ध आसान ऋता सुविधाओं और वित्तीय सहायता की विस्तार से जानकारी दी, जिससे लोगों के लिए योजना का लाभ लेना और आसान हो सके। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बदनावर संभाग के कार्यपालन यंत्री विनीत ठाकुर, सहायक यंत्री शहर अर्पित जैन तथा सहायक यंत्री विकास धाकड़ सहित बिजली कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में नगर परिषद बदनावर के अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सोलर वेंडर कंपनियों के प्रतिनिधियों ने नगरवासियों से अधिकारी भी विशेष रूप से शामिल हुए।

शिविर की एक मुख्य विशेषता यह रही कि इसमें पहले से सोलर योजना का लाभ ले रहे उपभोक्ताओं ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सोलर पैनल लगाने के बाद उनके बिजली बिलों में कितनी भारी कमी आई है। उनके अनुभवों से प्रेरित होकर अन्य उपभोक्ताओं ने भी योजना के प्रति गहरी रुचि दिखाई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने नगरवासियों से अपील की है कि वे पर्यावरण-अनुकूल सौर ऊर्जा को अपनाएं और शासन की इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने बिजली बिल के बोझ को कम करें।

आध्यात्मिक चेतना और परंपरा का संगम

पंचकवासा के अन्नपूर्णा आश्रम में गुंजा भक्ति का स्वर, महंत विनोद गिरी जी ने संभाली पीठ की जिम्मेदारी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा की पावन धरा पर स्थित अन्नपूर्णा आश्रम पंचकवासा बुधवार को एक अद्भुत आध्यात्मिक और भावुक क्षण का साक्षी बना। पूज्य ब्रह्मलीन संत महंत ललित गिरी जी महाराज के देहावसान के बाद आयोजित सोलहवीं के अवसर पर जहां एक ओर अश्रुपूरित आंखों से संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने अपने मार्गदर्शक की श्रद्धांजलि अर्पित की, वहीं दूसरी ओर सनातन संत परंपरा के अनुसार आश्रम में नए युग का बीजांशोपण भी हुआ। संतों के पावन सानिध्य और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विनोद गिरी जी को पारंपरिक रूप से चांदर ओढ़कर अन्नपूर्णा आश्रम की पवित्र गद्दी सौंपी गई।



पधारे मूर्धन्य संतों ने नवनि्युक्त महंत विनोद गिरी जी को आशीर्वाद दिया। संतों ने उन्हें अन्नपूर्णा आश्रम की गरिमा, संत सेवा, गौ-सेवा और आध्यात्मिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का दायित्व सौंपा। इस पावन अवसर पर महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 बाबू गिरी जी महाराज - संकट मोचन हनुमान जी, भीलवाड़ा, महंत सुरेशानंद पुरी जी महाराज, समुद्र गिरी जी महाराज, नरेश गिरी जी महाराज, विशुद्धानंद जी महाराज बदनावर, एवं कारोदा, बालोदा एवं हरिद्वार-उज्जैन से पधारे अनेक साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आयोजन के दौरान क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों एवं श्रद्धालुओं ने बाहर से पधारे सभी संतों का पूर्ण आदर-सत्कार किया। सरपंच विक्रम, समंदर सिंह चावड़ा, लाखन सिंह, मेहरवार सिंह, नारायण सिंह देवड़ा, संदीप खटोड़ा, संजय मुकती एवं शिवराम सिंह रघुवंशी सहित आसपास के ग्रामीण अंचल से आए सैकड़ों भक्तों ने संतों का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सोलहवीं के इस अनुष्ठान के अंतिम चरण में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। आश्रम की समृद्ध परंपरा के अनुसार सबसे पहले 101 साधु-संतों को पूर्ण निष्ठ के साथ भोजन प्रसादी करकर दक्षिणा भेंट की गई। इसके पश्चात दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। पूरे दिन अन्नपूर्णा आश्रम परिसर %जय गुरुदेव% और धार्मिक जयकारों से गुंजायमान रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने संकल्प लिया कि वे ब्रह्मलीन महाराज श्री के दिखाए मार्ग पर चलते हुए आश्रम की सेवा-परंपरा को सदैव अक्षुण्ण रखेंगे।

एनडीपीएस एक्ट एवं नवीन अपराधिक कानून- 2023 पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शुरू

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में दिनांक 07 अक्टूबर 2026 से जिला पंचायत कार्यालय आगर के मीटिंग हॉल में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में एन डी पी एस एक्ट एवं नवीन अपराधिक कानून-2023 के प्रभावी क्रियान्वयन, अनुसंधान की गुणवत्ता, साक्ष्य संकलन एवं न्यायालयीन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट एवं एसडीओपी आगर नीलम बघेल उपस्थित रहे। जिले के समस्त थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी तथा विभिन्न प्रकरणों में अनुसंधान करने वाले अधिकारी-कर्मचारी प्रशिक्षण में शामिल हुए। सरस्वती वंदना से हुआ शुभारंभ- प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी द्वारा विशेष अतिथि एवं प्रशिक्षक पूर्व आईपीएस अधिकारी आर.सी. पंवार का स्वागत किया गया।

प्रशिक्षण की समस्त व्यवस्थाएं रक्षित निरीक्षक सपना परमार द्वारा सुनिश्चित की गईं। विशेष प्रशिक्षक आर.सी. पंवार, भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 2003 बैच के अधिकारी रहे हैं तथा अगस्त 2015 में पुलिस सेवा से



सेवानिवृत्त हुए। उन्हें वर्ष 2014 में राष्ट्रपति सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। पुलिस सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए वरिष्ठ अधिकारियों एवं मध्यप्रदेश शासन से पारितोषिक प्राप्त किए।

श्री पंवार बी.एस.सी. (बायोलांजी) एवं एम.ए. (समाजशास्त्र) की शैक्षणिक पृष्ठभूमि रखते हैं और पुलिस सेवा के साथ सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश में नशा विरोधी अभियान के माध्यम से महाविद्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया तथा परिवार परामर्श केंद्रों के माध्यम से अनेक परिवारों को ट्रैप से बचाने में योगदान दिया। वर्तमान में वे विभिन्न शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में मोटिवेशनल कार्यक्रमों से भी जुड़े हैं।

त्रुटिरहित अनुसंधान और बेहतर सजा दर पर

रहेगा फोकस- प्रशिक्षण के दौरान अपराध अनुसंधान कैसे करें की अवधारणा के तहत अनुसंधान को त्रुटिरहित, निष्पक्ष, सटीक एवं पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। नवीन आपराधिक कानूनों के अनुरूप डिजिटल तकनीक का उपयोग, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों का संकलन, केस डायरी एवं दस्तावेजी कार्यवाही, साक्ष्यों की वैधानिकता तथा समयबद्ध अनुसंधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया। विशेष रूप से एन डी पीएस एक्ट के प्रकरणों में जब्ती की प्रक्रिया, साक्ष्य का संरक्षण, नमूना प्रक्रिया, दस्तावेजीकरण, विवेचना की महत्वपूर्ण कानूनी बारीकियां एवं न्यायालयीन परीक्षण के दौरान आवश्यक सावधानियों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं अनुसंधान अधिकारियों को कानूनी एवं अनुसंधान क्षमता को और अधिक मजबूत करना, प्रकरणों में त्रुटियों की संभावना को कम करना तथा न्यायालयों में प्रभावी अभियोजन के माध्यम से सजायाबी की दर में वृद्धि करना है। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन में आयोजित यह प्रशिक्षण पुलिस अनुसंधान को आधुनिक तकनीक एवं नवीन आपराधिक कानूनों के अनुरूप और अधिक वैज्ञानिक, प्रभावी एवं न्यायोमुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

परिवारों में आपसी संवाद, संस्कार एवं धार्मिक मूल्यों को मजबूत बनाने की आवश्यकता

महाराष्ट्र के नागपुर सम्मेलन में युवा सम्राट आचार्य श्री विश्वरत्नसागर सुरीश्वर जी म. सा. ने कहा



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराष्ट्र के नागपुर में मालव भूषण आचार्य श्री नवरत्नसागर सुरीश्वर जी महाराज के सुशिष्य युवा हृदय सम्राट आचार्य श्री विश्वरत्नसागर सुरीश्वर जी म. सा. के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में श्री जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ का 15वां दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन, श्रीसंघ स्नेह मिलन समारोह एवं जैन पत्रकारों का सम्मेलन आयोजित हुआ। अधिवेशन में मध्यप्रदेश सहित गुजरात एवं राजस्थान से जैन समाज के करीब 500 बंधु शामिल हुए। इनमें बखतगढ़ एवं बदनावर तहसील सहित प्रदेश के 50 से ज्यादा जैन पत्रकार व मालवा महासंघ के 450 से अधिक पदाधिकारी-सदस्यों ने सहभागिता की।

समाज की एकजुटता एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया- अधिवेशन में युवा हृदय सम्राट आचार्य श्री विश्वरत्नसागर सुरीश्वर जी म. सा. ने समाज की वर्तमान परिस्थितियों सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने समाज में बढ़ते तलाक के मार्गलों पर चिंता व्यक्त करते हुए परिवारों में आपसी संवाद, संस्कार एवं धार्मिक मूल्यों को मजबूत बनाने की आवश्यकता बताई। साथ ही समाज की एकजुटता और

सामाजिक सरोकारों पर विचार रखे। मालवा महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष मेहता के अलावा राजेश मानव, वीरेंद्र जैन पत्रकार, राजेंद्र कनपुरिया सहित अन्य वक्ताओं ने समाज को संगठित करने और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। ये थे सम्मेलन में उपस्थित- आयोजित सम्मेलन में प्रदेश के जैन पत्रकार परिषद के पत्रकार (कलमकार) ईंदौर से प्रदेश संयोजक नपाक दुग्गड़, राकेश सोनी, दिलीप दरड़ा बखतगढ़, अनिल पोखरना बदनावर, प्रवीण मंडलेचा दरई, विजय कोठारी नायदा (धार), राजगढ़ से सुनिल बाफना, अजय जैन राजावत, धर्मेन्द्र भंडारी, अश्वय सेटिया उज्जैन, सचिन भंडारी महिंद्रपुर रोड़, ऋषि सकलेचा नलखेड़ा, सचिन जैन रतलाम, बड़नगर से विजय गोखरू, सतीश तलेसरा, पेटलावद से राकेश डूंगरवाल, पीयूष पटवा, सुरेश समीर राणापुर, मनीष कोठारी जोबट, कपील जैन सिहोद, निरेश जैन बाग, शुभम गादिवा टांडा, निलेश जैन भाटपचलाना, प्रतीक बाफना भानपुरा, जावरा से सुजानमल कोच्चटा, पापस छाजेड़, पुखराज छाजेड़, राजकुमार पीपाड़ा, बंशीलाल पोखवाल, अशोक कोठारी, बड़ईद से ललित राजावत, मनोज जैन, अंकुर जैन, संजय जैन, मेघराज मोदी, हनुमचंद जैन आदि जैन कलमकार शामिल हुए।

श्री नवदुर्गा उत्सव समिति जवाहर मार्ग की नई कार्यकारिणी गठित, सर्वसम्मति से चेतन नागल बने अध्यक्ष

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी शारदीय नवरात्रि पर्व को भव्य एवं गरिमामय तरीके से मनाने के लिए श्री नवदुर्गा उत्सव समिति, जवाहर मार्ग बदनावर की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को जवाहर मार्ग स्थित दिगंबर जैन धर्मशाला में आयोजित की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए समिति के अध्यक्ष पद की कमान चेतन नागल को सौंपी गई।

बैठक के दौरान उपस्थित सभी वरिष्ठजनों, संरक्षकों एवं युवा कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में आगामी उत्सव को अनुशासित और धूमधाम से आयोजित करने का संकल्प लिया। अध्यक्ष चुने जाने के बाद कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों में उपाध्यक्ष कपिल राठौड़, मनीष नागल, जितेंद्र लाला आर्य, सचिव-पवन माहेश्वरी, प्रतीक राजावत, अशोक राठौड़, रतिेश आर्य, अनिल सराफ, लक्ष्मीनारायण सोलंकी, संरक्षक मंडल - राजेन्द्र सराफ, राजेश अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य- सर्वेश मंडलेचा, संजीव अग्रवाल, आशीष



बोकाड़िया, मुकेश आर्य, विजय सोनी, लोकेश आर्य को मनोनीत किया गया।

बैठक में नवदुर्गा उत्सव के दौरान माता की प्रतिमा स्थापना, पूजा-अर्चना, प्रतिदिन आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों, सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत सज्जावत तथा महारतरी के प्रबंधन को लेकर निष्पट विचार-विमर्श किया गया। गरबा प्रमुख महेश गुप्ता के मार्गदर्शन में

पारंपरिक एवं अनुशासित गरबा रास के आयोजन की योजना भी बनाई गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष चेतन नागल ने सभी वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, समिति ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर मैं सभी के सहयोग से खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। जवाहर मार्ग का नवदुर्गा उत्सव क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में से एक है और इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। बैठक के अंत में समिति के संरक्षकों एवं वरिष्ठ सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा नगरवासियों से इस पावन पर्व में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की।

भानपुरा पुलिस को मिली कामयाबी, 60 साल की महिला से 200 ग्राम MD ड्रग व डोडाचूरा जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशा मुक्ति अभियान के तहत भानपुरा थाना पुलिस ने एक आरोपी महिला के कब्जे से 200 ग्राम एमडी ड्रग और 3

किलो 100 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया है। बरामद माल की कुल कीमत 4 लाख 6 हजार 200 रुपये आंकी गई है। भानपुरा थाना प्रभारी जैन विनय बुंदेला की टीम ने मुखबि की सूचना के पास, सुवासरा को पकड़ा गया।

जिला स्तरीय नशा मुक्ति रैली आज, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण होगा

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपिता श्री महात्मा गांधी जी की 157वीं जयंती के अवसर पर 02 से 08 अक्टूबर 2026 तक मध्य निषेध सप्ताह के तहत नशामुक्त भारत अभियान के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय नशा मुक्ति रैली , जिला स्तरीय कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत 08 अक्टूबर 2026 को दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। संयुक्त कलेक्टर मिलिंद छोके ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि उक्त दोनों कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से जिला स्तरीय नशा मुक्ति रैली, शपथ ग्रहण एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम के नाम से 8 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11ः00 बजे आयोजित किया जा रहा है। रैली आगर मालवा के गांधी उपवन से प्रारंभ होकर पेट्रोल पंप के सामने से झंडा चौक होते हुए छावनी नाका तक जाएगी। समापन कार्यक्रम नवीन सामुदायिक भवन परिसर, कंपनी गार्डन, छावनी नाका के पास, आगर, मालवा में संपन्न होगा।

NSUI ने शासकीय महाविद्यालय बदनावर की नवीन कार्यकारिणी घोषित की

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के धार जिला अध्यक्ष कृष्णा पंवार ने संगठन को महाविद्यालय स्तर पर मजबूत करने एवं छात्रहित में सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से शासकीय महाविद्यालय बदनावर की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की है। जारी सूची के अनुसार दीपक भाटी को अध्यक्ष, सुधीर मालवीय को उपाध्यक्ष, प्रीतम प्रजापत एवं सचिन पंवार को सचिव, मनोज परमार को सह-सचिव, मनीष भारदेव को कोषाध्यक्ष तथा विनोद वैष्णव को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। NSUI जिला अध्यक्ष कृष्णा पंवार ने नवनिर्भुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी तथा महाविद्यालय में छात्रहित से जुड़े मुद्दों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन की विचारधारा के अनुरूप पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

शांति समिति की बैठक आयोजित

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों एवं बड़नगर के गणमान्य नागरिक व व्यापारी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी त्यौहारों की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, साफ-सफाई और त्यौहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

प्रशासन द्वारा सभी से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि त्योहार खुशी और एकता के साथ मनाने व किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संधिस्थ गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की बात कही।

राष्ट्रीय अधिवेशन में बड़नगर परिषद का गौरवपूर्ण प्रदर्शन

आस्था, समर्पण और सेवा के महाकुंभ में पांच राष्ट्रीय पुरस्कारों से बढ़ा बड़नगर का गौरव

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद का भव्य राष्ट्रीय अधिवेशन गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरীश्वरजी महाराज साहब की शुभ निश्रा एवं साधुजी -साध्वीजी भगवंतों के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वाद से आध्यात्मिक वातावरण के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन में देश के विभिन्न प्रांतों से हजारों गुरु भक्तों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए धर्म, सेवा, संस्कार और समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस ऐतिहासिक अधिवेशन में पूज्य साधु भगवंतों द्वारा धर्म, समाज सेवा, संगठन की मजबूती एवं जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। आस्था और समर्पण का यह महाकुंभ अपने आप में अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक रहा।

बडनगर परिषद ने सफलता का लहराया



परचम एक साथ पांच पुरस्कार अधिवेशन में बड़नगर परिषद परिवार ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कर नगर एवं संघ का गौरव बढ़ाया। परिषद अध्यक्ष राजकुमार नाहर ने बताया कि बड़नगर परिषद के इतिहास में पहली बार

एक साथ पांच महत्वपूर्ण पुरस्कार तीन शाखा स्तर पर एवं दो व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त होना पूरे संघ एवं परिषद परिवार के लिए गौरव पूर्ण उपलब्धि है।

राष्ट्रीय स्तर पर बड़नगर परिषद परिवार को प्राप्त सम्मानों में नवयुवक परिषद को सेवा पुरस्कार, महिला परिषद को शिक्षा

पुरस्कार तरुण परिषद को पर्यावरण पुरस्कार, शैतिलाल गोखरू को लेखन क्षेत्र का पुरस्कार व्यक्तिगत पुरस्कार तथा प्रांतीय मीडिया प्रभारी राजकुमार नाहर को संपूर्ण भारतवर्ष में प्रचार-प्रसार एवं मीडिया क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राष्ट्रीय व्यक्तिगत प्रचार-प्रसार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राजकुमार नाहर ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह सम्मान बड़नगर संघ के वरिष्ठजनों के आशीर्वाद, गुरु भगवंतों की प्रेरणा और परिषद के समर्पित एवं ऊर्जावान साथियों के अथक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी उन्हें लेखन क्षेत्र में सम्मान प्राप्त हुआ था, लेकिन इस वर्ष जिन शासन के समाचारों, धार्मिक गतिविधियों एवं समाज सेवा के कार्यों को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाने के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाना पूरे बड़नगर परिषद के लिए गौरव का विषय है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'योग एवं ध्यान'

राज्य कर्मचारी संघ के 48 वे स्थापना दिवस पर किया सम्मान



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। लक्ष्मी नारायण यादव सेवानिवृत्त कृषि विकास अधिकारी मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के संस्थापक सदस्य व बडनगर शाखा के प्रथम तहसील अध्यक्ष का सम्मान उनके निज निवास पर संघ शाखा द्वारा किया गया कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संघ के सरंक्षक श्री उदय जी अग्निहोत्री द्वारा बताया गया की यादव जी उस समय अध्यक्ष थे जब बडनगर में सीमित संख्या में सदस्य थे इन्होने अपने परिश्रम से विपरीत परिस्थितियों में संघ को विशाल वट वृक्ष के रूप में खड़ा किया इससे पूर्व श्रद्धेय यादव साब को मंगल तिलक लगा कर शाल, श्रीफल, प्रतिक चिन्ह, संघ का दुपट्टा, पुष्प मालाओ से सम्मान संघ के सदस्य द्वारा किया गया सम्मान पत्र का वाचन रविराज यादव द्वारा कर भेंट किया गया। इस अवसर पर शांतीलाल गोयल, परामर्शदाता देवीदास मुलचंदानी, मार्गदर्शक प्रेम कुमार खींची, संयोजक धनरथ्याम पाठक, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार पंचोली, ब्लॉक सचिव मनीष रेशमीया, जगदीश परमार, प्रेम प्रकाश पण्ड्या . महेश केवट, सहित परिजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल वर्मा एवं आभार यादव के सुपुत्र प्रवीण कुमार यादव द्वारा व्यक्त किया ।

लायंस क्लब खरगोन सिटी ने वृद्धाश्रम पहुंचकर मनाया सेवा सप्ताह का छठा दिन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 के निर्देशानुसार लायंस क्लब खरगोन सिटी द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत सेवा गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में सेवा सप्ताह के छठे दिन फूड फॉर हंगर योजना के अंतर्गत जुलवानिया रोड स्थित आनंद धाम वृद्ध आश्रम में पहुंचकर वृद्धजनों के साथ आत्मीयता एवं अपनत्व के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला न्याया धीश्री श्री राजकुमार यादव एवं रिजनेचेयर पर्सन डॉ संजय गुप्ता राजपुर रहे। इस अवसर पर डायमंड आनंद क्लब की अध्यक्ष किरण गुप्ता, लायंस क्लब के पदाधिकारी अध्यक्ष उज्ज्वल अत्रे., कोषाध्यक्ष राजेश मिश्रा,सचिव श्रीमती क्षमा मिश्रा मीडिया प्रभारी काजल यादव एवं मेंबरशिप चेयरपर्सन दुर्गेश चौधरी एवं अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों का माला पहनकर सम्मान किया गया, स्वल्पाहार स्वरूप फिस्कट केले मिठाई मिक्चर का वितरण किया गया। तथा उनके साथ समय वितारकर उन्हें अपनत्व का एहसास कराया गया। क्लब सदस्यों ने वृद्धजनों के साथ बातचीत की, उनका हालचाल जाना और उनके जीवन के अनुभवों को भी सुना। वृद्धजनों के चेहरों पर सम्मान और अपनत्व की खुशी इस सेवा गतिविधि की सबसे सुंदर झलक रही। इस अवसर पर अध्यक्ष उज्ज्वल अत्रे ने कहा कि सेवा केवल जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का नाम नहीं, बल्कि किसी अकेले व्यक्ति के जीवन में अपनापन, सम्मान और खुशी पहुंचाना भी सच्ची सेवा है। वृद्धजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और आशीर्वाद आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में संवेदनशीलता, करुणा और मानवीय मूल्यों को मजबूती मिलती है। लायंस क्लब खरगोन सिटी के अध्यक्ष लायन उज्ज्वल अत्रे, सचिव लायन क्षमा मिश्रा डायमंड क्लब की अध्यक्ष किरण गुप्ता एवं क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सेवा सप्ताह के अंतर्गत इस मानवीय पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि वृद्धजनों के बीच पहुंचकर उन्हें यह महसूस कराना था कि समाज उनके साथ खड़ा है और उनका सम्मान एवं स्नेह सदैव बना रहेगा।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बच्चों ने दिखाया उत्साह, सरपंच ज्योति पंड्या द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार हुए वितरित

बडनगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शासकीय हाई स्कूल, शासकीय प्रावि एवं शासकीय मावि में हिंदी दिवस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्राम पंचायत सरपंच ज्योति पंड्या द्वारा किया गया। जिसमें तात्कालिक भाषण, निबंध लेखन, रक्त लेखन, सुंदर लेखन, रंगोली प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यार्थियों ने इसमें बड़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह वरिष्ठ समाजसेवी रमेशचंद्र शिकारी के मुख्य आतिथ्य एवं सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मां शांदा के पूजन अर्चन के साथ मां सरस्वती की वंदना सु मधुर स्वर में प्रस्तुत की गई। स्वागत भाषण माध्यमिक विद्यालय के



प्रधानाध्यापक सीताराम चौहान ने दिया। अतिथियों का स्वागत शिक्षक ओमप्रकाश सोयल, ओमप्रकाश परमार, राजाराम परमार, रविंद्र परमार, धर्मेन्द्र बैरागी, ग्राम पंचायत सचिव धर्मेन्द्र बैरागी भानुप्रतप सिंह आदि ने किया। गत वर्ष शासकीय हाई स्कूल सुंदरबाद में कक्षा 10 वीं में प्रथम स्थान पाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिभावान छात्रा सुश्री सुष्मिता चौधरी का पुष्प माला और दुपट्टा ओढ़ कर स्वागत कर प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। छात्रा सुष्मिता ने उपस्थित विद्यार्थियों को सफलता के लिए प्रतिदिन थोड़ा-

थोड़ा अवश्य पढ़ने के गुर बताया। मुख्य वक्ता शिक्षक अशोक निंबोला ने हिंदी की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला, आपने कहा कि किसी भी भाषा का विरोध नहीं है लेकिन अपनी मातृभाषा हिंदी के सम्मान के लिए हम सब तत्पर रहे। सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिताओं में हाई स्कूल के खुशी प्रजापत, गुंजन परमार, चंचल चौधरी, हर्षिता , मानवी, अनुराग प्रजापत अर्चना चौहान, वैदिका डबोी, शिवम परमार तथा मावि से निशा भाटी, वैदिका सोलंकी, दिव्या कुंवर पंचार, कीर्ति यादव, सिमरन भाटी, हंसाकुंवर, विरातसिंह राठौर, राजवीर सिंह, इशानी विद्या मकवाना आदि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त किए संचालन प्राचार्य भावना सोनी ने किया आभार शिक्षक राजेश मकवाना ने माना।

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अंधत्व निवारण मिशन के लिए विगत 2010 से कार्यरत गीता भवन ट्रस्ट बड़नगर के तत्वावधान में अब तक 1017 नेत्रदान, 9475 मोतियाबिंद ऑपरेशन, 35986 नेत्र परीक्षण हो चुके है। इस उत्सर्जन विशेषज्ञ डॉक्टर जी एल ददरवाल के हार्थों मरणोपरान्त 1017 नेत्रदान का ऐतिहासिक आंकड़ा छू लेने के अवसर पर नेत्रदान के लिए प्रोत्साहित करने वाली संस्थाओं सहित डॉक्टर जी एल ददरवाल और उनकी टीम का नगर के इंद्रप्रस्थ गार्डन में सारस्वत सम्मान का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व विधायक मुरली मोरवाल, डॉक्टर एल ए कपाडिया, डॉ अजनाद जैन , डॉ फखरुद्दीन सैफी, नैत्रम संस्था रतलाम के हेमंत मृणत, काकानी वेलफेयर सोसाइटी रतलाम के माधव काकानी, भारत विकास परिषद जावरा के निलेश मेहता, जैन सोशल ग्रुप नागदा के ब्रजेश बोहरा, जवाहर डोषी पिंपूष महिंदपुर, मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल मक्सी के डॉक्टर पटेल, एमके आई बैंक इंदौर



के डॉक्टर अरुण चौधरी द्वारा मुख्य आतिथ्य स्वीकार कर सुदर्शन चक्रधारी भगवान श्री कृष्ण के सम्मुख दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ देव पूजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता जैन सोशल ग्रुप बड़नगर के श्री राजेंद्र जैन दंगवाड़ा वाला द्वारा की गई। अतिथि स्वागत संस्था अध्यक्ष हरिकिशन मेलवाणी, उपाध्यक्ष हरीश लाठी, पंडित विवेक शास्त्री, चंद्रप्रकाश नागर, प्रकाश पाटीदार, हरगोविंद मेलवानी, सुभाष गुप्ते आदि द्वारा किया गया। इस अवसर पर मीसाबंदी सुकमाल जैन, उकेदार कांतिलाल कुमट, विनोद मकवाना, राजकुमार जैन , भारत विकास परिषद जावरा

के निलेश मेहता, ज्ञानदीप मंडल बदनावर के प्रदीप पांडे, नेत्रम संस्था रतलाम के मीनू माथुर, जैन सोशल ग्रुप नागदा के ब्रजेश बोहरा, काकानी वेलफेयर सोसाइटी रतलाम के गोविंद काकानी आदि द्वारा अपने उद्बोधन में एकजुट होकर नेत्रदान के अद्वितीय उल्लेखनीय 1017 के आंकड़े को 9 वर्ष की अल्पावधि में अनुभवी नेत्र उत्सर्जन विशेषज्ञ डॉक्टर जी एल ददरवाल को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित करने हेतु शासन से सिफारिश करने की मांग की?। अध्यक्षीय भाषण में राजेंद्र जैन दंगवाड़ा वाला ने सुविधानुकूल एम्बुलेंस और राष्ट्रपति पदक दिलवाने के हर संभव प्रयास करने सहित डॉक्टर जी एल ददरवाल के चिरायु शतायु और निरोगी रहने की शुभकामना दी। गीता भवन ट्रस्ट अध्यक्ष हरिकिशन मेलवाणी सहित ट्रस्टी और सेवादारों ने नैत्र उत्सर्जन का इतिहास लिख देने वाले डॉ जीएल ददरवाल- पत्नी पुष्या ददरवाल और उनकी टीम के 60 प्लस उमाशंकर मेहता, सुभाष गुप्ते, डॉ नरहरकुसैन, सतीश नीमा, पंकज मौरवाल, मोहनलाल आदि

का पारंपरिक रूप से सारस्वत सम्मान किया वहीं सीताराम राठौड़ लाइमैन द्वारा डॉ ददरवाल को शानदार साफा बांधा। गीता भवन ट्रस्ट बड़नगर द्वारा नैत्रदान के अब तक 1017 के अटूट आंकड़े में योगदान देने वाली क्षेत्र की रतलाम, जावरा, नागदा, खारचौरी, महिंदपुर, गौतमपुरा, उन्हेल, पेटलावद, बदनावर, उज्जैन, राजगढ़, शिवगढ़, सिमलावदा में नैत्रदान महादान के नारे के साथ लोगों को नैत्रदान के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करने वाली 30 से अधिक संस्थाओं को सम्मान पत्र और प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर नगर के सिविल कांटे्रक्टर कांतिलाल कुमठ ने नेत्रदान और देहदान की घोषणा की?। आयोजन में तलित सोनी, ओमप्रकाश गेहलोत, राजेंद्र कौशल, योगेश आचार्य, डॉ मोडीराम दौराया, रमेशचंद्र राठौर मंडी, भरतलाल शर्मा, प्रेमकुमार खींची, जगदीश मेघवंशी, सतीशसिंह रघुवंशी, सुरेशचंद्र व्यास ऊंटवास, अमित जैन बदनावर, डॉ विनोद शास्त्री, नटवरलाल पटवारी, सुश्री उषा पंडिया, मंजू जायसवाल, मंजू जैन आदी।

विद्यार्थियों ने दिखाया नवाचार



आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा फर्स्ट राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज 2026 का जिला स्तरीय कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आगर विधायक मधु गहलोत,

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि भेरूसिंह चौहान, मयंक राजपूत एवं मेहरबान सिंह सिसोदिया उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक उद्योग संजीव पाटिल, जिला रोजगार अधिकारी, उप संचालक उद्यानिकी अर्जुन सिंह राजपूत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में निर्णायक दल के रूप में महाप्रबंधक, उद्योग श्री राणा, पी.जी. कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. सोनम डावर एवं सांदीपनी दिवाला के प्राचार्य संजीव उपाध्याय ने प्रतिभागियों के नवाचारों का मूल्यांकन किया कार्यक्रम का संचालन श्री अंकित गौड़ ने किया। स्टार्टअप सेल, भोपाल के सहायक प्रबंधक पुष्पराज ने प्रतिभागियों को स्टार्टअप एवं नवाचार से संबंधित जानकारी । कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, इनक्यूबेटर, स्टार्टअप लीडर, इनोवेटर्स, उद्यमी तथा विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित थे ।

प्रतियोगिता परिणाम- कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, के संदीप राठौर एवं विशाल भिलांला तथा द्वितीय पुरस्कार वेदांत मालवीय, कपिल मोदी एवं ओमप्रकाश प्रजापति ने प्राप्त किया।

मॉडल प्रतियोगिता में क्लीन टेक्नोलॉजी मॉडल हेतु प्रथम पुरस्कार पॉलीटेक्निक कॉलेज के दीपेश वर्मा एवं तोहित अंसारी ने तथा द्वितीय पुरस्कार सांदीपनी विद्यालय, सुसुनेर के बबलू राठी एवं अशोक सुरवशी ने प्राप्त किया। स्टार्टअप एवं इनोवेशन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्री वैष्णव विद्यापीठ के राघव भंडारी एवं राज साहू ने तथा द्वितीय पुरस्कार निर्या दीक्षित एवं प्रियांशी परमार तथा आदित्य आर्य एवं अनिल दांगी ने प्राप्त किया।

क्षय मुक्त भारत अभियान में देपालपुर की 7 ग्राम पंचायतें स्वर्ण श्रेणी में

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षय मुक्त भारत अभियान के तहत देपालपुर विकासखंड ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। क्षेत्र की 7 ग्राम पंचायतों को स्वर्ण पुरस्कार श्रेणी में नामांकित किया गया है। वहीं 22 ग्राम पंचायतें रजत तथा 15 ग्राम पंचायतें कांस्य पुरस्कार श्रेणी में शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इंदौर जिले की कुल 135 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों में 37 स्वर्ण, 47 रजत और 51 कांस्य श्रेणी में नामांकित हुई हैं। देपालपुर तहसील विगत तीन वर्षों से जिले में सर्वाधिक टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के मामले में अग्रणी बनी हुई है और जिले की पहली क्षय मुक्त तहसील बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 8 अक्टूबर से 11 राज्यों के 55 जिलों में जोश टीमों की शुरुआत की जाएगी। अभियान के माध्यम से युवाओं की भागीदारी से टीबी उन्मूलन का संदेश जमीनी स्तर तक पहुंचाया जाएगा। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशा नागर एवं राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों एवं एनटीडीपी टीम के सहयोग से घर-घर सर्वे कर संभावित मरीजों की जांच कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार तीन वर्षों तक शून्य अथवा केवल एक टीबी मरीज पाए जाने वाली ग्राम पंचायत को स्वर्ण श्रेणी के लिए नामांकित किया जाता है।

नशा मुक्त भारत एवं साइबर सुरक्षा नागरिकता अभियान के तहत साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया



खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय कसरावद में कार्यालय कलेक्टर, जिला खरगोन के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत एवं साइबर सुरक्षा नागरिकता अभियान के अंतर्गत ई-गवर्नेंस एवं डिजिटल सुरक्षा से संबंधित साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश ठाकुर ने की। कार्यक्रम में ई-गवर्नेंस सहायक प्रबंधक श्रीमती भारती सोलंकी ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती भारती सोलंकी ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल, इंटरनेट,ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया एवं डिजिटल सेवाओं का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक के लिए डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि ओटीपी, पासवर्ड, एटीएम/बैंकिंग संबंधी जानकारी, आधार एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों की जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साइबर

शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक सुविधाओं के साथ-साथ जिम्मेदारी भी लेकर आती है। सुरक्षित पासवर्ड रखना, दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग करना, मोबाइल एवं सोशल मीडिया खातों की गोपनीयता सेटिंग्स को मजबूत रखना तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि के तत्काल सूचना देना साइबर सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. राकेश ठाकुर ने कहा कि डिजिटल सेवाओं का उपयोग करते समय सावधानी और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को तकनीक का उपयोग ज्ञान एवं विकास के लिए करते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी रखना चाहिए।

कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर मनोज भावै ने साइबर सुरक्षा को वर्तमान समय की आवश्यक नागरिक जागरूकता बताते हुए कहा कि युवाओं को डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना चाहिए।

9 वर्षों में 1017 नेत्रदान राष्ट्रपति पदक हेतु सिफारिश की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा
हेराल्ड। बड़नगर मार्ग पर
रात में एक बार फिर सड़क
दुर्घटना हो गई। वाइस सवाने
दो दोस्तों को अज्ञात वाहन ने
कुचल दिया। एक ने मौकें
पर दम तोड़ दिया दूसरा
घायल हुआ है। चितामण
दू खेड़ी के पास वाइस सवाने
दू पुलिस मिली थी। पुलिस मौकें
दूसरा घायल था। दोनों को
सकना नाम वसीम पिता वकील
ने आया। मृतकों भी उसी के
1 साल था। रात में ही पुलिस
र सुबह पोस्टमार्टम के दौरान
म करता था उज्जैन में साइड
रात में वापस दोनों घर लौटे
पर पहिया वाहन से हड़ है जं
के कैम्मे देखकर वाहन का पता